INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-197 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शुक्रवार, 11 सितंबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

सीएम डैशबोर्ड पर विकास कार्यों में और आगे बढ़ा मथुरा

विकास कार्यों की रैंकिंग 20 वें से सुधरकर 17 वें स्थान पर पहुंची

राजस्व कार्यों में और सुधार, जिले की ओवरऑल रैंकिंग भी सुधरी

यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की अगस्त माह की रैंकिंग में जिले के विकास कार्यों की गति में सुधार दिखा है। जुलाई माह में विकास कार्यों के प्रदर्शन के आधार पर प्रदेश में 20 वें स्थान पर रहने वाला मथुरा अब अगस्त माह में तीन पायदान सुधर कर 17 वें स्थान पर आ गया है। राजस्व और विकास संबंधी कार्यों में सुधार के बाद जिले की समग्र रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को और मेहतन करके जिले को टॉप टेन में लाने के निर्देश दिए हैं।

अगस्त माह की जारी रैंकिंग के अनुसार, राजस्व विभाग से जुड़े कार्यों में मथुरा का प्रदर्शन पहले की तुलना में बेहतर रहा। जुलाई में जहां जिला 42 वें स्थान पर था, वहीं अगस्त में यह 39 वें स्थान पर पहुंच गया। अधिकारियों का मानना है कि लंबित मामलों के निस्तारण और विभिन्न राजस्व सेवाओं में तेजी आने का असर रैंकिंग पर दिखाई दिया है।

वहीं, विकास कार्यों की श्रेणी में जिले की रैंकिंग में कुछ सुधार आया है। जुलाई माह में 20 वें स्थान पर रहने वाला मथुरा अगस्त में 17 वें स्थान पर आ गया है। इसके पीछे विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति, समयबद्ध कार्यों के निष्पादन और विभागीय लक्ष्य पूरे करने में की गई मेहनत का प्रदर्शन जिले की रैंकिंग सुधार पर दिखा है। दोनों श्रेणियों के संयुक्त मूल्यांकन के आधार पर जिले की ओवरऑल रैंकिंग में और सुधार हुआ है। जुलाई माह में मथुरा प्रदेश में 34 वें स्थान पर रहा, जो अब 26 वें स्थान पर आ गया है। ऐसे में आंकड़े साफ संकेत देते हैं कि जमीनी स्तर पर कई विभागों के अफसरों ने रैंकिंग सुधार को मेहनत की है। डीएम चंद्रप्रकाश सिंह का कहना है कि जिला में अच्छा काम हुआ है, रैंकिंग सुधरी है। अब प्रयास होगा कि आगामी महीनों में विकास और राजस्व क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर मथुरा को प्रदेश की टाप टेन रैंकिंग वाले जिलों में शामिल कराया जाएगा।

ऐसे तय होती है जिले की रैंकिंग

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर जिलों की रैंकिंग विभिन्न विभागों के प्रदर्शन के आधार पर तय की जाती है। इसमें राजस्व, विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, पंचायतीराज, नगर विकास, समाज कल्याण, जल जीवन मिशन, विद्युत सहित कई विभागों की योजनाओं और सेवाओं की प्रगति का मूल्यांकन किया जाता है। प्रत्येक विभाग को निर्धारित संकेतकों (इंडिकेटर) के अनुसार अंक मिलते हैं। समयबद्ध लक्ष्य पूरा करने, योजनाओं की प्रगति, शिकायतों के निस्तारण और ऑनलाइन फीडिंग के आधार पर अंक तय होते हैं।

मारपीट,अभिलेखों में गड़बड़ी दो शिक्षिकाएं निलंबित

सीह के उच्च प्राथमिक विद्यालय में विवाद के बाद कार्रवाई

दोनों को अलग-अलग विद्यालयों से किया गया है संबद्ध

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन विकास खंड के उच्च प्राथमिक विद्यालय सीह में आपसी विवाद, मारपीट, विद्यालयी अभिलेखों में कथित गड़बड़ी और विभागीय निर्देशों की अवहेलना के मामले में बीएसए ने दो शिक्षिकाओं को निलंबित कर दिया है। निलंबित शिक्षिकाओं में सहायक अध्यापिका लतेश गौतम और सहायक अध्यापिका रेनू शर्मा शामिल हैं। निलंबन के साथ दोनों को अलग-अलग विद्यालयों से संबद्ध किया गया है।

बीएसए रतन कीर्ति के आदेश के अनुसार रेनू शर्मा ने जुलाई में खंड शिक्षा अधिकारी गोवर्धन को शिकायती पत्र दिया था। इसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि 22 जुलाई को विद्यालय कार्यालय में लतेश गौतम ने उनके साथ मारपीट की। सरकारी रजिस्टर फाड़ने, अभिलेख और टेबलेट जमीन पर फेंकने का आरोप लगाया था। रेनू शर्मा ने पुलिस को सूचना देने के साथ बरसाना थाने में शिकायत करने की बात भी कही थी। शिकायत में लतेश गौतम पर विद्यालय में समय से नहीं आने और उपस्थिति रजिस्टर में गलत तरीके से हस्ताक्षर करने के आरोप भी लगाए गए थे। मामले की जांच के दौरान विद्यालय के कई रजिस्टर के पृष्ठ फटे हुए मिले।

पुलिस की रिपोर्ट और दोनों शिक्षिकाओं से प्राप्त अभिलेखों के आधार पर जांच में प्रथम दृष्टया आपसी विवाद और मारपीट की पुष्टि होने की बात कही गई है। जांच में लतेश गौतम के विद्यालय से बिना अनुमति चले जाने और उनके विरुद्ध लगाए गए कुछ अन्य आरोपों को भी प्रथम दृष्टया सही पाया गया। उपस्थिति रजिस्टर में कुछ तिथियों पर कथित रूप से कूटरचित हस्ताक्षर और अधिलेखन किए जाने का उल्लेख भी निलंबन आदेश में किया गया है। बीएसए ने लतेश गौतम को उच्च प्राथमिक विद्यालय झपरा और रेनू शर्मा को उच्च प्राथमिक विद्यालय देवसेरस- आठ, विकासखंड गोवर्धन से संबद्ध किया है। मामले की विस्तृत जांच के लिए खंड शिक्षा अधिकारी नंदगांव को जांच अधिकारी नामित किया गया है। उन्हें दोनों शिक्षिकाओं को आरोप पत्र जारी कर साक्ष्यों के आधार पर जांच पूरी करने और चार माह के भीतर जांच आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

चार दिन बाद अपहृत पांच माह का बच्चा बरामद

बच्चा बरामद होने की जानकारी देते सीओ रिफाइनरी, पीछे खड़े आरोपित।

300 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाल तीन राज्यों में दबिश

मंदिर से लौटते समय महिला और उसका साथी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन की सेकेंड एंट्री स्थित यात्री शेड से आठ सितंबर की रात चोरी हुए पांच माह के बच्चे को हाईवे पुलिस ने चार दिन बाद मुरैना, मध्य प्रदेश से सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने बच्चे को अगवा करने के आरोप में महिला और उसके साथी संजीव को गिरफ्तार किया है। बच्चे की तलाश में छह पुलिस टीमें लगाई गई थीं।

उन्नाव निवासी देवशंकर मिश्रा जन्माष्टमी पर पत्नी गौरी मिश्रा, बेटी प्रिया और पांच माह के बेटे सूर्य के साथ मथुरा आए थे। परिवार स्टेशन के यात्री शेड में ठहरा था। इसी दौरान उनकी मुलाकात महिला और संजीव से हुई। दोनों भी वहीं ठहरे हुए थे। परिचय बढ़ने के बाद मौका पाकर दोनों बच्चे को लेकर फरार हो गए।

बच्चे के गायब होने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। स्टेशन की सीसीटीवी फुटेज में महिला और पुरुष बच्चे को ले जाते दिखाई दिए। पुलिस ने इसके बाद 300 से अधिक कैमरों की फुटेज खंगाली और उनके संभावित रास्तों की जानकारी जुटाई। उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश के कई जिलों में दबिश दी गई।

जांच के दौरान मिले सुराग के आधार पर पुलिस टीम मुरैना के वसिया मंदिर पहुंची। यहां दर्शन कर लौटते समय महिला और संजीव को पकड़ लिया गया। उनके कब्जे से सूर्य को भी बरामद कर लिया गया। आरोपी महिला मुरैना के नूराबाद थाना क्षेत्र के गांव जरूरिया की रहने वाली बताई गई है।

पुलिस के मुताबिक महिला को मथुरा में एक साधु ने संतान होने की बात बताई थी। इसके बाद उसने बच्चा पाने की योजना बनाई और कथित तौर पर सूर्य को अगवा कर लिया। मंदिर से लौटते समय पुलिस ने दोनों को दबोचकर बच्चे को बरामद कर लिया।

बच्चा बरामद होने के बाद खुश होती मां।

संतान की चाह में बच्चे को बनाया निशाना

पुलिस के अनुसार, महिला की शादी वर्ष 2018 में देशराज से हुई थी। संतान नहीं होने के कारण पति ने करीब पांच वर्ष पहले उसे छोड़ दिया था। इसके बाद वह मुरैना के निजी अस्पताल में मिडवाइफ का काम करने लगी। इसी दौरान उसकी मुलाकात संजीव से हुई और दोनों करीब तीन वर्ष से लिव-इन में रह रहे थे। जन्माष्टमी पर दोनों मथुरा आए थे। पुलिस के अनुसार, महिला ने यहां संतान की मनौती मांगी थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात देवशंकर के परिवार से हुई और उसने बच्चे को अगवा करने की योजना बनाई।

अब हर जगह की होगी अपनी डिजिटल पहचान

डिजीपिन सेवा से आसान होगी डाक-पार्सल की राह

चार मीटर के ग्रिड में बंटेगा क्षेत्र, हर स्थान को मिलेगा अलग कोड

गांवों से धार्मिक स्थलों तक डिलीवरी और आपात सेवाओं में मिलेगी मदद

मथुरा में श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए उपयोगी

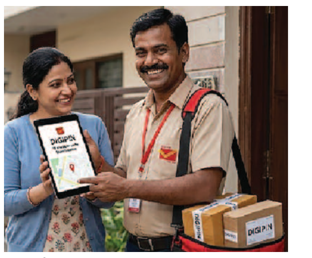

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा समेत देशभर में अब हर स्थान की अपनी डिजिटल पहचान होगी। डाक विभाग ने डिजिटल पोस्टल इंडेक्स नंबर यानी डिजीपिन की नई व्यवस्था विकसित की है। इसके तहत किसी स्थान को उसकी भौगोलिक स्थिति के आधार पर विशिष्ट डिजिटल पहचान मिल सकेगी। खासकर ऐसे गांव, कस्बे और दूरस्थ इलाके, जहां मकान नंबर या पारंपरिक पता स्पष्ट नहीं है, वहां किसी स्थान तक पहुंचना आसान हो सकेगा।

डिजीपिन दस अक्षरों वाला अल्फान्यूमेरिक कोड है, जिसे अक्षांश और देशांतर के आधार पर तैयार किया गया है। इसके लिए देश के भौगोलिक क्षेत्र को करीब चार मीटर गुणा चार मीटर के छोटे-छोटे ग्रिड में विभाजित किया गया है। प्रत्येक ग्रिड को अलग डिजीपिन दिया गया है। इससे किसी स्थान की पहचान बेहद छोटे भौगोलिक स्तर तक की जा सकेगी।

डाक विभाग के प्रवर अधीक्षक विजेंद्र ने बताया कि धार्मिक और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण मथुरा जिले में डिजीपिन की उपयोगिता काफी अधिक हो सकती है।

मथुरा, वृंदावन, गोवर्धन, बरसाना और बलदेव सहित ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। कई जगह गलियों, मकानों या प्रतिष्ठानों का पता स्पष्ट रूप से समझना मुश्किल होता है। ऐसे में डिजीपिन संबंधित स्थान की सटीक डिजिटल पहचान उपलब्ध कराने में सहायक हो सकता है।

उन्होंने बताया कि डाक और पार्सल वितरण करने वाले कर्मचारियों को भी निर्धारित स्थान तक पहुंचने में सुविधा होगी।

ग्रामीण क्षेत्रों में जहां स्पष्ट पता या मकान नंबर नहीं है, वहां डिजीपिन अतिरिक्त स्थान पहचान के रूप में काम कर सकेगा। ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स कंपनियों के लिए भी यह व्यवस्था उपयोगी साबित हो सकती है।

आपात सेवाओं में भी मिल सकता है बड़ा लाभ

डिजीपिन का इस्तेमाल केवल डाक सेवाओं तक सीमित नहीं रहेगा। भविष्य में बैंकिंग, बीमा, ई-कॉमर्स, लॉजिस्टिक्स, नेविगेशन, सरकारी योजनाओं और आपातकालीन सेवाओं में भी इसका उपयोग किया जा सकता है। एंबुलेंस, अग्निशमन, राहत और बचाव दल किसी स्थान की सटीक डिजिटल पहचान के आधार पर वहां जल्दी पहुंच सकेंगे। डाक विभाग ने इसे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद और राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र, इसरो के सहयोग से विकसित किया है। यह मौजूदा पिन कोड या पारंपरिक डाक पते को समाप्त नहीं करेगा, बल्कि उसके साथ डिजिटल स्थान पहचान की एक अतिरिक्त परत के रूप में काम करेगा। मोबाइल और अन्य उपकरणों की लोकेशन सुविधा के माध्यम से इसका उपयोग किया जा सकेगा।

200 बैंक शाखाओं पर ताला करोड़ों का कारोबार ठप

शुक्रवार को सौंख अड्डा स्थित पंजाब नेशनल बैंक के सामने मांगों को लेकर नारेबजी करते बैंककर्मी।

मांगों को लेकर हड़ताल, सड़कों पर उतरे बैंककर्मी

28 सितंबर से फिर तीन दिवसीय हड़ताल की चेतावनी

यूनिक समय, मथुरा। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के आह्वान पर शुक्रवार को राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल का जनपद में व्यापक असर दिखाई दिया। जिले की करीब 200 बैंक शाखाओं में अधिकारी और कर्मचारियों के हड़ताल पर रहने से बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहीं। यूनियन पदाधिकारियों का दावा है कि हड़ताल से हजारों करोड़ रुपये के लेन-देन प्रभावित हुए।

हड़ताल के दौरान विभिन्न बैंकों के अधिकारी–कर्मचारी जंक्शन रोड स्थित चौकी बागबहादुर के सामने पंजाब नेशनल बैंक परिसर के निकट एकत्रित हुए। उन्होंने बैंक प्रबंधन संगठन आईबीए और वित्त मंत्रालय के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद हुई सभा में यूएफबीयू के जिला संयोजक जगमोहन शर्मा ने कहा कि आठ मार्च 2024 के समझौते के बावजूद पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू नहीं की गई है। पीएलआई योजना को लेकर भी यूनियनों के साथ द्विपक्षीय सहमति का सम्मान नहीं किया जा रहा है। समझौतों को वित्त मंत्रालय में लंबे समय तक लंबित रखना कर्मचारियों के आक्रोश का कारण है।

संस्थापक संयोजक बामनजी चतुर्वेदी ने कहा कि बैंक सरकार को लगातार लाभांश देते हैं, इसके बावजूद कर्मचारियों की जायज मांगों पर टालमटोल हो रही है।

यूनियनों ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन संबंधी मुद्दों के समाधान, रिक्त पदों पर भर्ती, भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता, स्टाफ वेलफेयर फंड बढ़ाने, स्थानांतरण नीति में सुधार, पदोन्नति प्रक्रिया के युक्तिकरण और अगले द्विपक्षीय समझौते की वार्ता शीघ्र शुरू करने की मांग की। मांगें नहीं मानाने पर 28, 29 और 30 सितंबर को फिर हड़ताल और अक्टूबर में अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी गई।

सभा को भूपेंद्र सिंह क्षेत्रीय सचिव, केनरा बैंक अधिकारी संगठन, अरविंद त्रिपाठी, जीतू दिवाकर, शोभित वर्मा, अनिरुद्ध उपाध्याय, प्रभा चौधरी, जया, जितेंद्र कुमार शर्मा, केके पांडे, यतेंद्र गौतम, रोहित सारस्वत, आरके सिंह, राकेश कुमार, धर्मेंद्र कुमार, अर्जुन कुमार, विश्वेंद्र सिंह, रितेश गौतम, कीर्ति पाठक, रोहित भटनागर, महेश पाराशर, अरविंद त्रिपाठी, सत्यपाल सिंह, विनय कुमार, नितिन गर्ग, सचिन, नरेंद्र कुमार, मूलचंद, विक्रम सिंह, आरके सिंह, सीमा सिंह, आकाश चौरसिया, अक्षय चतुर्वेदी, राजेश यादव, फैसल, अजीज, विशाल सिसोदिया, यशराज शर्मा, राजकुमार, अमित कुमार, आयुषी वाजपेई, कीर्ति अग्रवाल, वंदना सिंह, स्नेहल, निधि शर्मा, सत्यपाल सिंह, प्रेम सिंह, नंदकिशोर, बी सिंह, महेश शर्मा, ललित शर्मा, योगवीर सिंह, एसके शर्मा, मनीष सिंह, अंजलि, आयुषी बाजपेई, नरेश चतुर्वेदी, उदयवीर सिंह, दिनेश चतुर्वेदी, प्रभात रंजन मिश्रा, महेंद्र सिंह, सनम, संजू कुमारी, संजय कुमार झा, आरके चतुर्वेदी, अनूप सिंह, अभय मिश्रा, कोमल, कमलकांत, दलबीर सिंह, सूरजपाल, दिनेश चंद्र आदि ने संबोधित करते हुए बैंक प्रबंधन और सरकार से न्यायोचित मांगों के निस्तारण की मांग करते हुए आक्रोश जताया।

एटीएम बने जरूतमंद को मददगार

बैंक अधिकारी और कर्मचारियों की हड़ताल के दौरान एटीएम कुछ मददगार बने, लेकिन चेक और बड़े लेन-देन नहीं होने से कारोबारी और अनय परेशान रहे। बैंक पर पहुंचे लोग हड़ताल की वजह जानने को उत्सुक दिखे।

कल लोक अदालत में साढ़े तीन लाख वादों पर होगी सुनवाई

सुलह–समझौते के आधार पर अधिक से अधिक मामलों का होगा निस्तारण

जनपद न्यायालय परिसर में सुबह दस बजे होगा लोक अदालत का शुभारंभ

यूनिक समय, मथुरा। शनिवार को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में जिले के करीब साढ़े तीन लाख वादों पर सुनवाई की जाएगी। इन मामलों का निस्तारण पक्षकारों की आपसी सहमति और सुलह–समझौते के आधार पर कराने का प्रयास किया जाएगा। लोक अदालत को लेकर न्यायिक स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ शनिवार सुबह 10 बजे जनपद न्यायालय के केंद्रीय कक्ष में जनपद न्यायाधीश विकास कुमार द्वारा किया जाएगा। इसके बाद विभिन्न न्यायालयों और संबंधित पीठों में वादों की सुनवाई शुरू होगी। लोक अदालत में ऐसे मामलों को प्राथमिकता के साथ निस्तारित किया जाएगा, जिनमें पक्षकार आपसी सहमति से विवाद समाप्त करने के लिए तैयार हैं। न्यायिक अधिकारियों का प्रयास है कि अधिक से अधिक मामलों का मौके पर निस्तारण कर पक्षकारों को लंबे समय तक चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया से राहत दिलाई जा सके। न्यायालय प्रशासन ने वादकारियों से अपील की है कि वे राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठाएं और अपने लंबित मुकदमों का फैसला आपसी सुलह-समझौते के माध्यम से कराएं। इससे समय और धन दोनों की बचत होगी और विवादों का शीघ्र समाधान संभव हो सकेगा।

ठेकेदार हत्याकांड में पुलिस के हाथ अभी खाली

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन के चेतन्य विहार फेस–2 में ठेकेदार की हत्या के मामले में पुलिस के हाथ अभी तक कोई ठोस सुराग नहीं लगा है। हत्या के बाद मृतक के साथ काम करने वाला उसके गांव का साथी कन्हैया भी गायब है। इसके चलते पुलिस की जांच की दिशा उसकी ओर भी घूम गई है। हालांकि पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार, चेतन्य विहार फेस–2 में रमेश झा के मकान का निर्माण कार्य औरैया निवासी पप्पू यादव करा रहा था। वह मकान निर्माण का ठेका लेने का काम करता था। उसके साथ गांव का कन्हैया भी काम करता था। बताया गया कि घटना से पहले पप्पू रात करीब आठ बजे एक आश्रम से खाना खाकर निर्माण स्थल पर लौटा था। आशंका जताई जा रही है कि रात में किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ हो और इसी दौरान पप्पू पर किसी ठोस वस्तु से हमला किया गया हो। घटना के बाद से कन्हैया के गायब होने से संदेह और गहरा गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ अन्य साक्ष्यों के आधार पर हत्यारे तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। पुलिस अधिकारियों को जल्द मामले के खुलासे की उम्मीद है।

वरिष्ठ लिपिक के स्थानांतरण की मांग सफाई कर्मचारी संघ ने सौंपा ज्ञापन

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ ने वरिष्ठ लिपिक महेंद्र सिंह, के स्थानांतरण की मांग को लेकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है। संघ ने आरोप लगाया कि वरिष्ठ लिपिक के लंबे समय से एक ही स्थान पर कार्यरत रहने के कारण कर्मचारियों को विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

पदाधिकारियों का कहना है कि महेंद्र सिंह करीब 30–32 वर्षों से कार्यरत हैं। आरोप है कि उनके कार्यकाल के दौरान कर्मचारियों को अपने कार्यों के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ता है। संगठन ने चेतावनी दी है कि वरिष्ठ लिपिक का स्थानांतरण नहीं किया गया तो मुख्यालय पर धरना–प्रदर्शन किया जाएगा।

ज्ञापन देने वालों में जिलाध्यक्ष सत्यप्रकाश जाटव, जिला संगठन मंत्री चरण सिंह सैनी, जिला कोषाध्यक्ष हरी नारायण, जिला संरक्षक यादवेश तथा जिला मंत्री जगत चौधरी आदि शामिल हैं।

हाईकोर्ट की रोक से सीएचसी राल में अधीक्षक की बहाली

डीएम के तबादला अधिकार पर अदालत ने उठाए सवाल

डीएम–सीएमओ से तीन सप्ताह में मांगा व्यक्तिगत हलफनामा

यूनिक समय, मथुरा। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सीएचसी राल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राकेश सिंह के तबादले पर अंतरिम रोक लगाते हुए उन्हें मूल पद पर बहाल करने और वेतन भुगतान के भी निर्देश दिए हैं। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने डीएम द्वारा चिकित्सक के तबादले का निर्देश देने के कानूनी अधिकार पर सवाल उठाया। साथ ही डीएम चंद्र प्रकाश सिंह और सीएमओ डॉ. राधा वल्लभ से तीन सप्ताह के भीतर व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने को कहा है।

मामला 13 जुलाई को जारी आदेश से जुड़ा है। डीएम के निर्देश पर सीएमओ ने डॉ. राकेश सिंह को सीएचसी राल के अधीक्षक पद से हटाकर सीएचसी नौहझील में चिकित्सा अधिकारी के पद पर स्थानांतरित किया था। डॉ. सिंह ने नौहझील में कार्यभार ग्रहण नहीं किया, जिसके बाद विभाग ने उनका वेतन रोक दिया। इसके खिलाफ उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की।

सुनवाई में अदालत ने पूछा कि डीएम के निर्देश पर सीएमओ ने तबादले की कार्रवाई किस कानूनी आधार पर की। हाईकोर्ट के आदेश के बाद डॉ. सिंह की सीएचसी राल में अधीक्षक पद पर बहाली हो गई है। अब अगली सुनवाई में दोनों अधिकारियों के हलफनामे के बाद मामले की स्थिति स्पष्ट होगी।

फरह के यात्रियों के लिए रेल सुविधा बनी परेशानी

ट्रेनें कम होने से मथुरा, आगरा और दिल्ली जाने वाले यात्री परेशान

सांसद हेमामालिनी से कोसीकलां–धौलपुर शटल के ठहराव की मांग

यूनिक समय, मथुरा। फरह और आसपास के करीब पांच लाख आबादी वाले क्षेत्र में रेल सुविधा लगातार कम होती जा रही है। दीनदयाल धाम स्टेशन पर पर्याप्त ट्रेनों का ठहराव नहीं होने से रोजाना सैकड़ों यात्रियों को मथुरा और आगरा आने–जाने में परेशानी झेलनी पड़ रही है। सबसे बड़ी समस्या कोसीकलां–धौलपुर शटल के स्टेशन पर नहीं रुकने से है। दो मिनट का ठहराव भी नहीं होने के कारण विद्यार्थियों, कर्मचारियों, व्यापारियों, श्रमिकों और आम यात्रियों को दूसरे स्टेशनों का रुख करना पड़ता है।

सांसद हेमामालिनी को ज्ञापन देते मंडल उपाध्यक्ष भोला चौधरी।

क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि पहले दीनदयाल धाम स्टेशन पर तीन–चार ट्रेनों के ठहराव थे और इनके करीब आठ फेरे होते थे। इससे स्थानीय यात्रियों को आवागमन में काफी सुविधा मिलती थी। अब केवल दो ट्रेनों के चार फेरे रह गए हैं। ट्रेनों की संख्या घटने से यात्रियों की निर्भरता टेंपो और अन्य साधनों पर बढ़ गई है। इससे अतिरिक्त समय और किराया दोनों खर्च हो रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी के मंडल उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह उर्फ भोला चौधरी ने मंडल रेल प्रबंधक को पत्र भेजकर कोसीकलां–धौलपुर शटल का दीनदयाल धाम स्टेशन पर कम से कम दो मिनट का ठहराव देने की मांग की है। इसके अलावा उन्होंने सांसद हेमामालिनी को भी पत्र देकर स्थानीय लोगों की समस्या को दूर कराने की मांग की है।

मंडल उपाध्यक्ष का कहना है कि फरह क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग प्रतिदिन मथुरा और आगरा जाते हैं। पं. दीनदयाल उपाध्याय की जन्मस्थली होने के कारण धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों का भी प्रमुख केंद्र है। ट्रेन के ठहराव से स्थानीय यात्रियों के साथ श्रद्धालुओं को भी राहत मिलेगी और रेलवे का राजस्व बढ़ेगा।

जूनियर बैडमिंटन खिलाड़ियों की जिला स्तरीय ट्रायल कल

यूनिक समय, मथुरा। खेल निदेशालय और उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्वावधान में 17 सितंबर से उन्नाव में प्रदेशीय समन्वय जूनियर बालक-बालिका बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए आगरा मंडल की टीम का चयन किया जाना है। मंडलीय टीम के चयन ट्रायल में प्रतिभाग करने के लिए जिले के जूनियर बालक और बालिका बैडमिंटन खिलाड़ियों का जिला स्तरीय चयन-ट्रायल 12 सितंबर को दोपहर तीन बजे से स्व. मोहन पहलवान स्पोर्ट्र्स स्टेडियम, गणेशरा में आयोजित किया जाएगा। उप क्रीड़ा अधिकारी आजाद सिंह ने बताया कि जिला स्तरीय ट्रायल में भाग लेने की प्रविष्टि निःशुल्क रहेगी।

अग्रवाल शिक्षा मंडल के सभी पदों पर निर्वाचन मंजूर

श्री अग्रवाल शिक्षा मंडल के पूर्व मंत्री किशोर कुमार अग्रवाल कोयला वाले नवनिर्वाचित अध्यक्ष रजनीकांत अग्रवाल चौकसी का स्वागत करते हुए।

साधारण सभा में ध्वनिमत से पारित हुए सभी प्रस्ताव

रिक्त पदों की पूर्ति के साथ संस्थाओं के संचालन पर चर्चा

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार को आयोजित श्री अग्रवाल शिक्षा मंडल (रजि.) की साधारण सभा की बैठक बैठक में 25 अगस्त को हुए निर्वाचन में चुने गए पदाधिकारियों का विवरण मुख्य चुनाव अधिकारी सुभाष अग्रवाल सिक्का ने प्रस्तुत किया। साथ ही रिक्त पदों की पूर्ति भी की गई। सभा में सभी प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित किए गए और शिक्षा मंडल के सभी पदों के निर्वाचन को सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

मुख्य इकाई में अध्यक्ष पद पर रजनीकांत चौकसी और मंत्री पद पर मनोज बंसल निर्वाचित हुए। बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज में अध्यक्ष इंजीनियर नितिन मित्तल और वाइस चेयरमैन विशाल बंसल बनाए गए। ब्रज चिकित्सा संस्था में अध्यक्ष इंजीनियर मटटूमल अग्रवाल,मंत्री अमोल अग्रवाल निर्वाचित हुए।

ब्रज नर्सिंग स्कूल में निदेशक राजीव अग्रवाल (हाथी वाले) और डिप्टी डायरेक्टर राजीव अग्रवाल (चम्पा अग्रवाल) चुने गए। चम्पा अग्रवाल बाल मंदिर में अध्यक्ष राजीव अग्रवाल और मंत्री संजीव अग्रवाल निर्वाचित हुए। एएसएम महाविद्यालय, जैत में अध्यक्ष गौरव अग्रवाल और मंत्री रोहित अग्रवाल चौकसी को जिम्मेदारी मिली। श्री राम रमन लाल शोरावाला आई हॉस्पिटल में अध्यक्ष जितेंद्र अग्रवाल मैदावाले, मंत्री अनिल अग्रवाल निर्वाचित हुए। बैठक में शिक्षा मंडल द्वारा संचालित सभी संस्थाओं के सुचारू संचालन, व्यवस्थाओं और आगामी कार्ययोजनाओं को लेकर भी चर्चा की गई।

घर पर फायरिंग और धमकी देने का आरोप, तीन के खिलाफ मुकदमा

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र में घर पर फायरिंग करने, वाहनों के शीशे तोड़ने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

चंद्र प्रकाश गौतम निवासी मकान नंबर 36, कृष्णा आर्चिड, थाना हाईवे ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि सात- आठ सितंबर की रात करीब 12:40 बजे आरोपी प्रदीप निवासी शास्त्री नगर, सचिन शर्मा निवासी शास्त्री नगर, दुर्गेश सोंधकी निवासी गांधी नगर एक थार वाहन से उसके घर पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने शिकायतकर्ता को देखकर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी।

शिकायतकर्ता ने घर के अंदर जाकर अपनी जान बचाई। फायरिंग के दौरान फॉर्च्यूनर और थार वाहनों के शीशे टूट गए। पीड़ित ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने धमकी और गाली–गलौज भी की।

यमुना एक्सप्रेस–वे पर दो हादसों में छह घायल

बाइक में कार ने मारी टक्कर, दूसरा हादसा टायर फटने से हुआ

एंबुलेंस से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया

हादसे में क्षतिग्रस्त कार।

यूनिक समय, सुरीर। यमुना एक्सप्रेस-वे पर 10 और 11 सितंबर को हुए दो अलग–अलग सड़क हादसों में छह लोग घायल हो गए। दोनों घटनाएं नोएडा से आगरा जाने वाले मार्ग पर हुईं। एक्सप्रेस-वे की एंबुलेंस से घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

पहला हादसा 10 सितंबर को किलोमीटर संख्या 95 पर हुआ। बताया गया कि चौथी लेन में आगे चल रही एचएफ डीलक्स बाइक में पीछे से आ रही मारुति वैगनआर ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार एक व्यक्ति गंभीर और एक अन्य मामूली घायल हो गया। दोनों को एंबुलेंस से अनंत कीर्ति अस्पताल, मथुरा पहुंचाया गया। हादसे का कारण कार चालक की लापरवाही बताया गया है। दूसरा हादसा 11 सितंबर को किलोमीटर संख्या 93 पर हुआ। यहां मारुति ईको का टायर फटने से चालक नियंत्रण खो बैठा और कार पहली लेन में पलट गई। हादसे में कार सवार चार लोगों को मामूली चोटें आईं। सभी घायलों को एक्सप्रेस-वे एंबुलेंस से सौ सैय्या वृंदावन पहुंचाया गया।

जतीपुरा चौराहे पर ई–रिक्शा चालक से मारपीट

1800 रुपये लूटने का आरोप

यूनिक समय, गोवर्धन। थाना क्षेत्र के जतीपुरा चौराहे पर ई-रिक्शा चालक के साथ मारपीट, मोबाइल तोड़ने और 1800 रुपये लूटने का मामला सामने आया है। मामले में जतीपुरा निवासी भीम सिंह की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना 13 जून को दोपहर करीब एक बजे की बताई गई है।

पीड़ित के अनुसार, वह और मनोज, दोनों ई–रिक्शा लेकर जतीपुरा चौराहे पर सवारी का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान लाला, रामकिशन, बंटी, प्रेमसिंह, सुन्दर, विशाल, भजन प्रधान के तीन अन्य पुत्र और बंटी की ट्रेवल एजेंसी के पांच चालक वहां पहुंचे। आरोप है कि सभी ने लाठी, डंडे, सरिया और हॉकी लेकर दोनों पर हमला कर दिया। मारपीट के दौरान भीम सिंह के सिर में चोट आई, जबकि मनोज को भी गंभीर चोटें लगीं। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों और राहगीरों ने दोनों को बचाया। सूचना पर पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। पुलिस रामकिशन को पकड़कर ले गई, लेकिन बाद में उसे छोड़ दिया गया। आरोप है कि इसके बाद आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। भीम सिंह ने आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान उसके और मनोज के मोबाइल तोड़ दिए गए, उसकी जेब से 1800 रुपये निकाल लिए गए। आरोप है कि जतीपुरा चौराहे पर आरोपियों द्वारा बिना लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन के कई गाड़ियां संचालित की जाती हैं।

गंग नहर के स्कोप पर मिला अज्ञात युवक का शव

यूनिक समय, सुरीर। थाना सुरीर क्षेत्र के वीरबला के समीप गंग नहर पर बने पुल के पास स्कोप में करीब 15 दिन पुराना अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव की उम्र करीब 42 वर्ष बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, एक युवक ने नहर के स्कोप में शव पानी में पड़े होने की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही चौकी इंचार्ज सोहन पाल सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद शव को गंग नहर से बाहर निकलवाया। शव की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर मथुरा स्थित मोर्चरी भेज दिया है।

दहेज की मांग को लेकर विवाहिता से मारपीट, छह लोगों पर मुकदमा

यूनिक समय, गोवर्धन। थाना क्षेत्र के ग्राम मुड़सेरस निवासी धौरी ने दहेज की मांग को लेकर ससुरालियों पर मारपीट और प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है।

पीड़िता ने बताया कि उसकी शादी चार मई 2023 को मोहित दीक्षित निवासी ग्राम जुल्हैंदी थाना गोवर्धन के साथ हुई थी। विवाह के दौरान मायके पक्ष की ओर से अपनी सामर्थ्य के अनुसार घरेलू सामान, आभूषण, नकदी और पल्सर मोटरसाइकिल समेत अन्य सामान दिया गया था।

आरोप है कि सामान दिए जाने के बावजूद पति मोहित दीक्षित, ससुर बंशीलाल, सास लक्ष्मी, जेठ सुंदर, रेश और प्रदीप निवासीगण ग्राम जुल्हैंदी दहेज की मांग को लेकर उसको शारीरिक- मानसिक रूप से परेशान करते थे। आरोपियों द्वारा अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी न होने पर धमकी भी दी गई।

शिकायत में बताया गया कि 14 जनवरी की शाम करीब सात बजे आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। पति मोहित दीक्षित के हाथ पर डंडा मारने से चोट लग गई। इसके बाद उसे घर से निकाल दिया गया। मामले में थाना पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अवैध शराब के साथ दो युवक गिरफ्तार

वृंदावन में 20 और कोतवाली क्षेत्र में 40 टेट्रा पैक बरामद

यूनिक समय, मथुरा। जिले में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस और आबकारी टीम ने अलग–अलग स्थानों से दो युवकों को गिरफ्तार किया। वृंदावन पुलिस ने नौ सितंबर को पुराने रेलवे स्टेशन के पास पानी की टंकी के निकट संदिग्ध युवक को पकड़ा। तलाशी में उसके थैले से 200 एमएल के 20 टेट्रा पैक देशी शराब बरामद हुए। आरोपी की पहचान चेत मंडल, निवासी टकशाल गली, वृंदावन के रूप में हुई। वहीं, कोतवाली क्षेत्र में आबकारी निरीक्षक अखिल कुमार गुप्ता ने टीम के साथ कार्रवाई करते हुए मंडी चौराहे के पास फल के ठेले के पीछे से विपिन कुमार, निवासी इन्दलोक जनकपुरी, मथुरा को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 200 एमएल के 40 टेट्रा पैक देशी शराब बरामद हुए।

TEST	MARKET RATE	OUR RATE
ECHO	2500	1000
TMT	1500	500
Holter	2000	1500
Angiography	10000	7000
Angioplasty	140000	90000 (Stent charge Extra)
Pacemaker (TPI)	15000	9000

फरह में सड़क निर्माण और पानी संकट पर सवाल

पुराने खरंजे पर नए आरसीसी निर्माण को बिछी गिट्टियां।

आरसीसी सड़क निर्माण में मानकों की अनदेखी के आरोप

पांच माह से सूखी पाइपलाइन, शिकायतों के बावजूद नहीं पहुंचा पानी

यूनिक समय, फरह। नगर पंचायत फरह के वार्ड नंबर पांच में सड़क निर्माण और पेयजल व्यवस्था को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। नागरिकों ने आरसीसी सड़क निर्माण में मानकों की अनदेखी और घटिया सामग्री के इस्तेमाल का आरोप लगाया है। लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य रात में कराया गया, जिससे इसकी गुणवत्ता की निगरानी नहीं हो सकी। मामले में अभियंता पर भी लोगों ने गंभीर आरोप लगाए हैं।

स्थानीय नागरिकों के अनुसार, वार्ड में पुराना खड़ंजा हटाए बिना उसके ऊपर ही आरसीसी सड़क का निर्माण करा दिया गया। इससे सड़क की मजबूती और गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों ने निर्माण में इस्तेमाल सामग्री की गुणवत्ता की जांच कराने और कार्य की तकनीकी जांच कराने की मांग की है। वार्ड सभासद प्रतिनिधि ने भी आरोप लगाया कि सड़क निर्माण की जानकारी और कार्यादेश की सूचना उन्हें नहीं दी गई।

दूसरी ओर वार्ड के शाही सराय मोहल्ले में पेयजल संकट भी लोगों की परेशानी बढ़ा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि करीब पांच महीने पहले पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है, लेकिन आज तक उसमें पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हुई। सार्वजनिक नलों पर टोंटियां तो लगा दी गई हैं, लेकिन पानी नहीं आने से उनका कोई उपयोग नहीं हो पा रहा है।

लोगों का दावा है कि पेयजल समस्या को लेकर नगर पंचायत अध्यक्ष सालिगराम बटिया से कई बार शिकायत की जा चुकी है। इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। नागरिकों ने सड़क निर्माण की कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कराने और पेयजल आपूर्ति तत्काल शुरू कराने की मांग की है। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि सड़क निर्माण की जांच और पेयजल समस्या का जल्द समाधान नहीं किया गया तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। अब देखना यह है कि नगर पंचायत और संबंधित विभाग शिकायतों पर क्या कार्रवाई करते हैं।

ट्रेन से उतरते ही महिला की मौत स्टेशन पर मचा कोहराम

व्हीलचेयर पर मां के शव के पास बिलखते रहे बेटा-बेटी

स्टेचर- एम्बुलेंस नहीं मिलने का आरोप वीडियो वायरल होने पर अधिकारी पहुंचे

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर गुरुवार शाम ट्रेन से उतरने के दौरान एक महिला की मौत हो गई। महिला की मौत के बाद स्टेशन पर बेटी और बेटा काफी देर तक मदद के लिए गुहार लगाते रहे। आरोप है कि परिजनों ने जीआरपी और आरपीएफ के जवानों से स्टेचर और एम्बुलेंस उपलब्ध कराने की मांग की, लेकिन समय पर मदद नहीं मिल सकी। बाद में बेटे को किसी से स्कूटी मांगकर प्राइवेट एम्बुलेंस लानी पड़ी। इस दौरान बेटी व्हीलचेयर पर मां के शव के पास बैठकर रोती रही। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया।

थाना शेरगढ़ क्षेत्र के गांव बसई निवासी सफेदी देवी का दिल्ली में उपचार चल रहा था। गुरुवार शाम उनकी बेटी पुष्पा और बेटा यशपाल उन्हें ट्रेन से मथुरा लेकर पहुंचे थे। ट्रेन के मथुरा जंक्शन पर रुकने के बाद दोनों ने मां को व्हीलचेयर पर बैठाया। इसी दौरान उनकी मौत हो गई। मां की मौत के बाद दोनों बच्चों ने स्टेशन पर मौजूद जीआरपी और आरपीएफ कर्मियों से स्टेचर और एम्बुलेंस की मदद मांगी। परिजनों का आरोप है कि काफी देर तक कोई सहायता नहीं मिली। इसके बाद यशपाल किसी से स्कूटी मांगकर रंगेश्वर क्षेत्र से निजी एम्बुलेंस लेकर स्टेशन पहुंचा। इस दौरान पुष्पा मां के शव के पास बैठकर रोती रही। किसी व्यक्ति ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो अधिकारियों तक पहुंचने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया।

जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि जीआरपी की ओर से एम्बुलेंस मंगाई गई थी, लेकिन उसके पहुंचने में कुछ समय लगा। उनके अनुसार, वीडियो आधा-अधूरा बनाकर वायरल किया गया है। परिवार निजी एंबुलेंस से महिला के शव को गांव ले गया। उनका कहना है कि पुलिस ने परिजनों की मदद की थी।

कैफे में मारपीट तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा

यूनिक समय, वृंदावन। कोतवाली थाना क्षेत्र के ओमैक्स स्थित वरिष्ठा कैफे के बाहर मारपीट का मामला सामने आया है। गट्टानी सेवा निकेतन निवासी आशीष कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह ओमैक्स के अंदर वरिष्ठा कैफे के बाहर बैठा था। इसी दौरान तुषार पंडित निवासी गोपीनाथ बाजार, कन्हैया ठाकुर निवासी गोपालगढ़ और लाखन ठाकुर निवासी गोपालगढ़, जैत वहां पहुंचे। आरोप है कि तीनों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि तुषार के हाथ में कड़ा था, जिससे उसके सिर में चोट लगी। इसके बाद आरोपियों ने धमकी भी दी। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्वामी हरिदास का 546 वां आविर्भाव महोत्सव 13 से

स्वामी हरिदास से जुड़े कार्यक्रम की जानकारी देते महंत मोहिनी बिहारी शरण।

यूनिक समय वृंदावन। रसिक संत-संगीत साधक स्वामी हरिदास का 546 वां आविर्भाव महोत्सव 13 से 19 सितंबर तक श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा। महंत मोहिनी बिहारी शरण ने महोत्सव की तैयारियों और कार्यक्रमों की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि सात दिवसीय आविर्भाव महोत्सव का आयोजन स्वामी हरिदासीय रसोपासना पीठ-हरिदासीय राधा प्रसाद सेवा ट्रस्ट (रजि.) द्वारा राधा प्रसाद धाम गोपाल खार परिक्रमा मार्ग में किया जाएगा। बद्रीश ने बताया कि 13 सितंबर को प्रातः आठ बजे स्वामी का महाअभिषेक होगा। प्रातः नौ बजे ललित कुंज से शोभायात्रा निकाली जाएगी। शाम को भजन संध्या होगी। 14 सितंबर को ध्रुपद-धमार संगीत समारोह होगा, जिसमें देश से आए कलाकार प्रस्तुतियां देंगे। 15 सितंबर को सांस्कृतिक कार्यक्रम, ब्रजवासी बालक-बालिकाओं की प्रस्तुतियां, भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा।

अतुल कृष्ण ने बताया कि 16 सितंबर को 546 कमल के पुष्पों से पुष्पचयन और यमुना महारानी की आरती का आयोजन होगा। समाजसेवी राम किशन अग्रवाल ने कहा कि संत-महात्माओं के सान्निध्य में धार्मिक कार्यक्रम और भजन संध्या होगी। 17 सितंबर को समाजसेवी, धार्मिक संगठनों से जुड़े लोगों, कलाकारों, साहित्यकारों आदि का सम्मान किया जाएगा। हरिओम शर्मा ने बताया कि 18 सितंबर को प्रातः 10 बजे से विविध धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। वहीं 19 सितंबर को महोत्सव का समापन विशेष धार्मिक आयोजनों, महाअभिषेक किया जाएगा। इस मौके पर विकास अग्रवाल, आचार्य अनमोल कृष्ण शास्त्री, प्रदीप अग्रवाल, मनोज, पुरुषोत्तम, आचार्य ध्रुव, बृजमोहन अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, प्रखर अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

जज कॉलोनी में हुई चोरी में पुलिस के हाथ खाली

चोर लाखों के जेवरात नकदी लाइसेंसी पिस्टल ले गए थे

यूनिक समय, मथुरा। जज कंपाउंड में हुई चोरी के मामले में चार दिन बाद भी सदर बाजार पुलिस को अभी तक कोई सुराग हाथ नहीं लगा है। पुलिस अभी हवा में तीर चला रही है।

गौर तलब है कि जज कॉलोनी में आवास संख्या जे-09 में निवास कर रहे अपर मुख्य न्यायायिक मजिस्ट्रेट के घर से चोर लाखों के जेवरात नकदी और सरकारी पिस्टल चोरी कर ले गए। घटना के समय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जन्माष्टमी पर परिवार के साथ अपने घर रोहतक, हरियाणा गए थे। छह सिंतबर को दोपहर 11 बजे डिलीवरी बॉय से घर में हुई चोरी का पता लगा। घर से लौटने के बाद इस मामले में अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की पत्नी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ थाना सदर बाजार में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के घर में हुई चोरी की घटना का खुलासा करने मे अभी पुलिस को कोई सफलता हाथ नहीं लगी है। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की फुटेज तलाशने के अलावा कुछ संदिग्धों से पूछताछ कर रही है। इसके बाद भी पुलिस को अभी कोई ऐसा ठोस सबूत हाथ नहीं लगा है जिससे चोरों तक पहुंच पाती। पुलिस टीमें चोरी करने वालों की तलाश में आस-पास के जनपदों में भी दबिश दे रही है।

एचपीवी टीकाकरण में मथुरा ने पकड़ी रफ्तार

31,057 बालिकाओं को लगा टीका, 34,055 के लक्ष्य के करीब पहुंचा जिला

यूनिक समय, मथुरा। बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए चलाए जा रहे एचपीवी टीकाकरण अभियान में मथुरा ने तेजी से कदम बढ़ाए हैं। जिले में अब तक 31,057 बालिकाओं को एचपीवी का टीका लगाया जा चुका है।

स्वास्थ्य विभाग को 34,055 बालिकाओं के टीकाकरण का लक्ष्य मिला है। लक्ष्य के करीब पहुंच चुके मथुरा में जल्द ही शत-प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य पूरा करने की तैयारियों में जुटा है। शुक्रवार तक जिले में 14 से 15 वर्ष की 31,057 बालिकाओं को एचपीवी का टीका लगाया जा चुका है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. रोहितास सिंह ने बताया कि अभियान के तहत पात्र बालिकाओं को निःशुल्क टीका लगाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला महिला चिकित्सालय में एचपीवी टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध है। जिले में वैक्सीन की पर्याप्त मात्रा मौजूद है। अभिभावक अपनी पात्र बेटियों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाकर एचपीवी का टीका लगवा सकते हैं। डॉ.रोहितास सिंह ने बताया कि मथुरा एचपीवी टीकाकरण के मामले में प्रदेश में 29 वें स्थान पर पहुंच चुका है। विभाग की टीम लक्ष्य पूरा करने के लिए लगातार काम कर रही है। अब केवल करीब तीन हजार बालिकाओं का टीकाकरण शेष है। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द जिले का निर्धारित लक्ष्य पूरा कर लिया जाएगा।

रेन बसेरे में हुई वृद्ध की मौत

यूनिक समय,मथुरा। थाना हाइवे क्षेत्र स्थित रेन बसेरा में एक वृद्ध की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया कि गांव अंता थाना अछल्दा जनपद औरैया निवासी वृद्ध वीरेंद्र सिंह (63) काफी समय से मथुरा में भिक्षा मांग कर अपना जीवनयापन करते थे। पुलिस के अनुसार, वह रेनबसेरे में रात में विश्राम करते थे। रेनबसेरे में उनकी मौत हो गई। पुलिस को भी इस बारे में जानकारी दी गई। पुलिस ने उनके पास मिले कागजात के आधार पर परिवार के लोगों को भी जानकारी दी। परिवार के लोग भी पोस्टमार्टम गृह पर आ गए। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव को परिवार के लोगों को सौंप दिया।

अवैध तमंचे के साथ युवक गिरफ्तार

यूनिक समय, फरह। स्थानीय पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक युवक को अवैध तमंचा और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, नौ सितंबर की रात अरविन्द सिंह पुलिसकर्मियों के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान धर्मपुरा नहर की पटरी पर एक संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर वापस जाने लगा। शक होने पर पुलिस ने उसे घेराबंदी कर पकड़ लिया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम उमाशंकर निवासी ग्राम सेरसा, थाना फरह बताया।

यूनिक समय
स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

कामां से मथुरा लाया जा रहा एक हजार किलो संदिग्ध पनीर पकड़ा

यूनिक समय, मथुरा। राजस्थान के कामां से बिक्री के लिए लाई जा रही करीब एक हजार किलो संदिग्ध पनीर की खेप को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने नंदगांव रोड पर पकड़ लिया। पनीर की गुणवत्ता संदिग्ध मिलने और खरीद–बिक्री से संबंधित अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए जाने पर टीम ने कार्रवाई करते हुए पनीर के दो नमूने जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेजे। वहीं, करीब 2.20 लाख रुपये कीमत की पनीर की खेप मौके पर नष्ट करा दी गई।

संदिग्ध पनीर को नष्ट कराते खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी।

नंदगांव रोड पर खाद्य सुरक्षा टीम ने की बड़ी कार्रवाई

दो नमूने जांच को भेजे 2.20 लाख का पनीर कराया नष्ट

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के आयुक्त, निर्देश पर सहायक आयुक्त खाद्य डॉ. जतिन कुमार सिंह के निर्देशन और कमलेश कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में खाद्य सचल दल ने यह कार्रवाई की। टीम ने कामां, राजस्थान की ओर से आ रही बोलेरो पिकअप को थाना कोसीकलां क्षेत्र में नंदगांव रोड स्थित जिंदल पुलिस चौकी के पास रोककर जांच की।

निरीक्षण के दौरान वाहन चालक-मालिक अमर सिंह ने बताया कि वाहन में कामां स्थित पनीर निर्माण डेयरी से करीब एक हजार किलो पनीर बिक्री के लिए मथुरा लाया जा रहा था। इसकी अनुमानित कीमत करीब 2.20 लाख रुपये बताई गई।

खाद्य सुरक्षा टीम ने पनीर की खरीद और बिक्री से संबंधित अभिलेख मांगे, लेकिन कारोबारी कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

गुणवत्ता पर संदेह होने पर टीम ने पनीर के दो नमूने लिए और जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिए। शेष संदिग्ध पनीर को मौके पर नष्ट करा दिया गया। कार्रवाई करने वाली टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेंद्र सिंह, मोहर सिंह कुशवाह और धर्मेंद्र शामिल रहे।

आरएसएस सेवा प्रमुख सेंथिल कुमार ने किए जन्मस्थान के दर्शन

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय शहर सेवा प्रमुख सेंथिल कुमार ने शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्मस्थान के दर्शन किए। जन्मभूमि परिसर पहुंचकर उन्होंने ठाकुरजी के दर्शन किए और मंदिर की व्यवस्था, स्वच्छता तथा श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट द्वारा संचालित सेवा प्रकल्पों की जानकारी ली।

सेंथिल कुमार ने जन्मस्थान परिसर में कराए गए विकास और सौंदर्यीकरण कार्यों की सराहना की। संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने उन्हें वर्तमान में संचालित सेवाकार्यों तथा प्रस्तावित विकास योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। दर्शन के दौरान क्षेत्र सेवा प्रमुख धनीराम, प्रांत सेवा प्रमुख मदन लाल और प्रांत सहकार्यवाह डॉ. संजय सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय शहर सेवा प्रमुख सेंथिल कुमार को सम्मानित करते संस्थान के सचिव कपिल शर्मा।

टीईटी में शामिल करने की मांग को लेकर शिक्षामित्रों ने सौंपा ज्ञापन

सिटी मजिस्ट्रेट के स्टेनो को ज्ञापन देते आदर्श समायोजित शिक्षक शिक्षामित्र वेलफेयर एसोएिशन के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। विभिन्न मांगों को लेकर आदर्श समायोजित शिक्षक शिक्षामित्र वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को सिटी मजिस्ट्रेट की गैरमौजूदगी में कार्यालय प्रभारी को ज्ञापन सौंपा। संघ के जिलाध्यक्ष दुष्यंत सारस्वत और जिला महामंत्री साजिद अहमद साजिद ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा शिक्षामित्रों के लिए 18 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय और कैशलेस चिकित्सा सुविधा दिए जाने पर संगठन की ओर से मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री से मांग की गई है कि सेवारत शिक्षकों के लिए नवंबर 2026 में विशेष टीईटी परीक्षा आयोजित की जा रही है। शिक्षामित्र भी करीब 25 वर्षों से शिक्षा विभाग में निष्ठापूर्वक शिक्षण कार्य करते हुए अपनी सेवाएं दे रहे हैं। ऐसे में उन्हें भी विशेष टीईटी परीक्षा में शामिल होने का अवसर दिया जाना चाहिए। शिक्षामित्रों ने सेवा नियमावली में आवश्यक प्रावधान करते हुए उनका स्थायीकरण करने और सेवा अवधि बढ़ाकर 62 वर्ष किए जाने की मांग भी की। ज्ञापन देने वालों में जिला संगठन मंत्री वकील अहमद, पंकज कुमारी, बबिता, रितु वर्मा, योगेश चौधरी, श्वेता अरोड़ा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

टिकट बुकिंग, शिकायत दर्ज कराने तक की सुविधा एक ही मंच पर

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा से रेल यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए भारतीय रेलवे का रेलवन ऐप कई जरूरी सुविधाएं एक ही जगह उपलब्ध करा रहा है। अब यात्रियों को टिकट बुक करने, रेलगाड़ी की स्थिति जानने और शिकायत दर्ज कराने के लिए अलग–अलग माध्यमों का सहारा लेने की जरूरत कम होगी। रेलवन ऐप के माध्यम से यात्री आरक्षित, अनारक्षित और प्लेटफार्म टिकट बुक कर सकते हैं। इसके साथ ही रेलगाड़ी की खोज, समय–सारणी, पीएनआर की स्थिति और रेलगाड़ी के चलने की ताजा जानकारी भी प्राप्त की जा सकती है। विश्राम कक्ष की बुकिंग की सुविधा भी इस ऐप पर उपलब्ध है।

मथुरा जंक्शन सहित जिले के अन्य रेलवे स्टेशनों से यात्रा करने वाले यात्री रेलगाड़ी के आने और जाने का समय भी आसानी से देख सकते हैं।

रेलगाड़ी के देर से चलने की स्थिति में उसकी ताजा जानकारी मिलने से यात्री अपनी यात्रा की बेहतर तैयारी कर सकेंगे।

रेल मदद से शिकायत दर्ज, 139 से मिलेगी यात्री सहायता

यात्रियों की शिकायत और सहायता के लिए रेल मदद की सुविधा भी इससे जुड़ी है। यात्री शिकायत, सुझाव या सहायता के लिए अपना अनुरोध दर्ज करा सकते हैं। रेल यात्रा से जुड़ी जानकारी और सहायता के लिए रेलवे की 139 हेल्पलाइन भी उपलब्ध है। रेल प्रशासन ने यात्रियों से कहा कि रेलगाड़ी के ठहराव, आने–जाने के समय, समय–सारणी और चलने की ताजा स्थिति की जानकारी के लिए रेलवे के अधिकृत माध्यमों का ही उपयोग करें। अन्य वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर पुरानी अथवा गलत जानकारी मिलने से यात्रियों को परेशानी हो सकती है। रेल प्रशासन ने अनधिकृत वेबसाइट, मोबाइल ऐप और संदिग्ध संदेशों से सावधान रहने की सलाह दी है।

गंगाजल आपूर्ति के तकनीकी आंकलन को समिति गठित

यूनिक समय, मथुरा। नगर में जलापूर्ति और जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने जलकल विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। वार्ड 47 द्वारकापुरी और वार्ड 54 प्रताप नगर में गंगाजल आपूर्ति की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए उन्होंने भविष्य में प्रस्तावित पाइपलाइन से अतिरिक्त जलापूर्ति की संभावनाओं का तकनीकी आंकलन कराने के निर्देश दिए।

नगर आयुक्त ने बताया कि इसके लिए पांच सदस्यीय समिति गठित की गई है। इसमें जलकल विभाग के महाप्रबंधक मोहम्मद अनवर ख्वाजा, सहायक अभियंता हेमेंद्र गौतम और अवर अभियंता प्रतिभा ओझा के अलावा जल निगम नगरीय के अधिशासी अभियंता और सहायक अभियंता शामिल हैं। समिति को 10 दिन में तकनीकी रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं।

नगर आयुक्त ने कहा कि रिपोर्ट में सीडब्ल्यूआर (क्लियर वाटर रिजर्वायर) से वर्तमान में कितने लोगों को जलापूर्ति मिल रही है और नई पाइपलाइन से कितनी अतिरिक्त आबादी को लाभ मिल सकेगा, इसका स्पष्ट आंकलन किया जाए। बैठक में भूतेश्वर अंडरपास में बारिश के दौरान होने वाले जलभराव और निकासी की भी समीक्षा हुई। अधिकारियों ने बताया कि पानी निकलने में करीब दो घंटे लग रहे हैं। नगर आयुक्त ने निकासी का समय कम करने के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। इसके अलावा भूतेश्वर अंडरपास के समीप श्रीजी बाबा आश्रम के पास नाले की चारदीवारी निर्माण कराने के निर्देश मुख्य अभियंता निर्माण को दिए गए। बैठक में महाप्रबंधक जलकल, मुख्य अभियंता निर्माण, सहायक अभियंता और अवर अभियंता मौजूद रहे।

द्वारकापुरी–प्रताप नगर में जलापूर्ति की स्थिति पर मंथन

भूतेश्वर अंडरपास में जल निकासी का समय घटाने के निर्देश

ब्रज हेरिटेज फेस्ट में आरआईएस का फिर बजा डंका

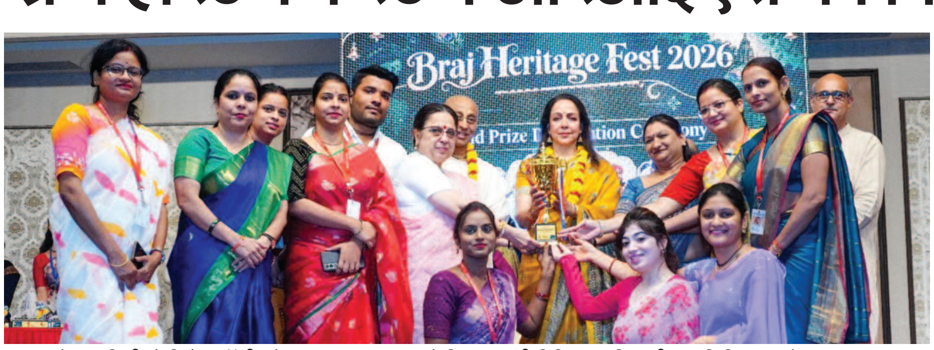

सांसद हेमा मालिनी से विजेता ट्रॉफी और पुरस्कार ग्रहण करते विद्यालय की प्रिंसिपल नंदिता ढींगरा, शिक्षिकाएं और छात्र–छात्राएं।

229 पुरस्कार जीत लगातार छठी बार ओवरऑल चैम्पियंस ट्रॉफी पर कब्जा

सांसद हेमा मालिनी ने विजेता विद्यार्थियों का बढ़ाया उत्साह

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज की सांस्कृतिक विरासत, कला और प्रतिभा से सजे ब्रज हेरिटेज फेस्ट–2026 में राजीव इंटरनेशनल स्कूल (आरआईएस) के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विभिन्न सांस्कृतिक-रचनात्मक प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने कुल 229 पुरस्कार हासिल किए। सर्वाधिक अंक अर्जित कर विद्यालय ने लगातार छठी बार ओवरऑल चैम्पियंस ट्रॉफी अपने नाम की।

10 सितंबर को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में सांसद हेमा मालिनी ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों को अपनी प्रतिभा पहचानने और उसे निखारने का बेहतर अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने आरआईएस की प्रिंसिपल नंदिता ढींगरा को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया। विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने वाले शिक्षक–शिक्षिकाओं को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

आरआईएस के विद्यार्थियों ने सर्वाधिक पुरस्कारों के साथ सर्वाधिक प्रतिभागिता ट्रॉफियां भी जीतीं। काव्यांशी मित्तल को साइकिल, सिया मूंदरा और मनस्विक को बैग, आदित्य मत्ता को इलेक्ट्रिक स्लेट और श्रीनिका अग्रवाल को इलेक्ट्रिक खिलौना प्रदान किया गया।

आर.के. एज्यूकेशन हब के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल और चेयरमैन मनोज अग्रवाल ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को बधाई दी।

प्रिंसिपल नंदिता ढींगरा ने सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षक विशाल सैनी और कोमल सैनी के प्रशिक्षण- मार्गदर्शन को दिया। चंद्रोदय मंदिर वृंदावन द्वारा अगस्त में आयोजित इस इंटर-स्कूल सांस्कृतिक समारोह में ब्रज क्षेत्र के 40 से अधिक विद्यालयों के करीब 7,500 विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया था।

बूंदाबांदी के बाद बढ़ी उमस बारिश का इंतजार करते रहे लोग

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार को मौसम ने करवट ली, आसमान पर काले बादल लंगर डाले रहे, लेकिन वर्षा नहीं हो सकी। सुबह करीब 11 बजे के आसपास हल्की बूंदाबांदी हुई, तो लोगों को वर्षा होने की उम्मीद जगी, लेकिन कुछ ही देर बाद बूंदाबांदी थम गई। इसके बाद मौसम में उमस बढ़ गई और लोगों को गर्मी का एहसास होने लगा।

सुबह मौसम गर्म बना था। करीब 11 बजे आसमान में हल्के बादल भी छा गए। बादलों को देखकर लोगों को एक बार फिर अच्छी बारिश की उम्मीद बंधी, लेकिन काफी देर तक बादल छाए रहने के बावजूद बारिश नहीं हुई। लोग आसमान की ओर टकटकी लगाए बारिश का इंतजार करते रहे। मौसम में नमी और उमस के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दोपहर में एक बार फिर से मौसम बदला तो आसमान में गहरे काले बादल छा गए, लेकिन शाम होने के बाद तक वर्षा नहीं हो सकी, जबकि मौसम विभाग आकाशीय गर्जना के साथ तेज वर्षा का यलो अलर्ट देता रहा।

कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैत क्षेत्र में चौमूंहा के पास तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई। घटना नौ सितंबर की शाम करीब 6:30 बजे की बताई गई है। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, गोपाल प्रसाद (53) निवासी ग्राम लसवाली, थाना बरसाना मोटरसाइकिल से मथुरा अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान सुंदरलाल प्यारे लाल पेट्रोल पंप के पास पीछे से आई कार के चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में गोपाल प्रसाद गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के दौरान मौजूद सुबीर ने घायल को चौंमुंहा स्थित एसकेएस अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान गोपाल प्रसाद की मौत हो गई। उनका शव पोस्टमार्टम के लिए मथुरा मोर्चरी में रखा गया। पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच में जुटी है।

जीत की चाह में घोड़े का इंजेक्शन लगाया, दौड़ते ही गिरे युवक

आगरा में छह किलोमीटर दौड़ से पहले दोनों ने लिया स्टेरॉयड

तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल में कराया गया दो घंटे उपचार

यूनिक समय, आगरा। छह किलोमीटर की दौड़ जीतने की चाह में दो युवकों ने घोड़ों को दिए जाने वाले स्टेरॉयड का इंजेक्शन लगा लिया। दौड़ पूरी होने के बाद दोनों की तबीयत अचानक बिगड़ गई और वे मैदान में गिर पड़े। साथियों ने उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खेरागढ़ पहुंचाया, जहां करीब दो घंटे उपचार के बाद हालत में सुधार हुआ।

खेरागढ़ क्षेत्र के अऐला गांव में गुरुवार सुबह आयोजित दौड़ में श्यामवीर सिकरवार (16) दूसरे और गौरव सिकरवार (22) चौथे स्थान पर रहे। दोनों सेना भर्ती की तैयारी कर रहे हैं और नियमित रूप से दौड़ व शारीरिक अभ्यास करते हैं। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 2100, द्वितीय 1100 और तृतीय पुरस्कार 551 रुपये रखा गया था।

युवकों के पास इंजेक्शन की खाली शीशी भी मिली। उन्होंने बताया कि बेहतर प्रदर्शन और थकान कम करने के लिए तीन मिलीलीटर इंजेक्शन लिया था। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. आरके सिंह ने बताया कि बिना चिकित्सकीय सलाह स्टेरॉयड लेना खतरनाक हो सकता है। इससे शरीर पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ सकते हैं।

सेठवाड़ा व्यवसाय समिति का गठन ओमप्रकाश वर्मा अध्यक्ष बने

सेठवाड़ा व्यवसाय समिति के चुनाव के दौरान मौजूद पदाधिकारी।

व्यापारी एकता को मजबूत करने का लिया संकल्प, पदाधिकारियों ने ली शपथ

व्यापारियों के उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष का नगर संगठन ने दिया भरोसा

यूनिक समय, मथुरा। नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल की ओर से संगठन विस्तार अभियान के तहत सेठवाड़ा व्यवसाय समिति का गठन किया गया। स्थानीय धर्मशाला में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में ओमप्रकाश वर्मा को अध्यक्ष और प्रमोद अग्रवाल को महामंत्री चुना गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद-गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ नगर अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, महामंत्री शशिभानु गर्ग, सुनील साहनी, कोषाध्यक्ष मीनालाल अग्रवाल, नवनिर्वाचित अध्यक्ष ओमप्रकाश वर्मा और महामंत्री प्रमोद अग्रवाल ने मां महालक्ष्मी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। नगर अध्यक्ष सुनील अग्रवाल और महामंत्री शशिभानु गर्ग ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि व्यापारियों की समस्याओं और उत्पीड़न के खिलाफ पूरा संगठन उनके साथ खड़ा रहेगा। नगर उपाध्यक्ष गुरमुख दास और सुनील साहनी ने व्यापारी एकता-संगठन शक्ति की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ मंत्री विकास जिंदल और कोषाध्यक्ष मीनालाल अग्रवाल ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए नगर के विभिन्न बाजारों में समितियों का गठन किया जा रहा है। समिति में उपाध्यक्ष विनोद सिंघल, हरिओम, मंत्री मनीष अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पंकज अग्रवाल, सहकोषाध्यक्ष सचिन अग्रवाल, संगठन मंत्री गौरव सिंघल, राहुल अग्रवाल, मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, नीरज कुमार और कानूनी सलाहकार शुभ गौतम ने शपथ ली। संचालन विनोद सिंघल, सुनील बजाज ने किया।

जेसीआई सप्ताह में 14 सदस्यों ने किया रक्तदान

जेसीआई सप्ताह में रक्तदान करने वालों को सम्मानित करते अध्यक्ष संतोष सिंघल।

सद्भावना ब्लड बैंक में आयोजित हुआ सेवा और सद्भावना कार्यक्रम

यूनिक समय, मथुरा। जेसीआई सप्ताह के तीसरे दिन 11 सितंबर को जेसीआई मथुरा सिटी की ओर से सद्भावना ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में संस्था के 14 सदस्यों ने रक्तदान कर सामाजिक सेवा का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष संतोष सिंगल ने की। सचिव गोविंद अग्रवाल और कोषाध्यक्ष तन्मय खंडेलवाल सहित संस्था के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। शिविर के संयोजक जेसी गोविंद अग्रवाल और प्रेरणा अग्रवाल रहे।

इस अवसर पर रेखा सिंघल, प्रेरणा अग्रवाल, रितु खंडेलवाल, रुचिर गोयल, अंकुर अग्रवाल, प्रकाश अग्रवाल, राधारमण अग्रवाल, रुक्मणी अग्रवाल, गुलशन खंडेलवाल, दीक्षिता खंडेलवाल, अग्रिम अग्रवाल, कृतिका अग्रवाल, हिमांशु गोयल, विनीत अग्रवाल, शिखा अग्रवाल, लोकेश अग्रवाल, राहुल गोयल, अनुभा गोयल और रूपेश अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

जेसीआई सप्ताह में खेलों से गूंजा नेशनल चैंबर भवन

जेसीआई पंखुड़ी के कार्यक्रम में मौजूद पदाधिकारी।

जेसीआई पंखुड़ी ने आयोजित की मनोरंजक खेलकूद प्रतियोगिता

यूनिक समय, मथुरा। जेसीआई सप्ताह के तीसरे दिन जेसीआई मथुरा पंखुड़ी की ओर से नेशनल चैंबर भवन में खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई। ऊर्जा, उत्साह और हंसी–खुशी से भरपूर आयोजन में सदस्यों ने विभिन्न मनोरंजक टीम गेम्स में बढ़–चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिता की संयोजक अर्चना और प्रिया रहीं।

खेलों के दौरान सदस्यों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ टीम भावना और आपसी जुड़ाव देखने को मिला। पूरा आयोजन तालियों, उत्साह और मनोरंजन से सराबोर रहा। प्रतिभागियों ने अपनी–अपनी टीम का उत्साह बढ़ाते हुए खेलों का आनंद लिया। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में अध्यक्ष देवांगी खंडेलवाल, सचिव परिधि और कोषाध्यक्ष दीपिका के साथ रीतिका, कंचन, मीनल, रेखा, पूजा, अनीता, नूपुर, सोनल, दीक्षा, कृतिका, मेघा सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। आयोजकों ने कहा कि आयोजन हंसी–मजाक और उमंग से भरी यादगार शाम बन गया।

जेसीआई वीक में 'नर सेवा नारायण सेवा' का आयोजन

कार्यक्रम के दौरान अपना घर में मौजूद जेसीआई मथुरा ग्रेटर के पदाधिकारी।

अपना घर चैरिटेबल ट्रस्ट में वितरित की प्रसादी, फल और मिठाई

यूनिक समय, मथुरा। जेसीआई मथुरा ग्रेटर द्वारा आयोजित जेसीआई वीक के तहत दूसरा कार्यक्रम 'नर सेवा नारायण सेवा' के रूप में चेतन विहार, वृंदावन स्थित अपना घर चैरिटेबल ट्रस्ट में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में ट्रस्ट में रह रहे लोगों के लिए प्रसादी, फल और मिठाई की व्यवस्था की गई। संस्था के सदस्यों ने सेवा कार्य में सहभागिता कर जरूरतमंदों के बीच समय बिताया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जेसीआई मथुरा ग्रेटर के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल सर्राफ ने की, जबकि संचालन यशु गुप्ता ने किया। पदाधिकारियों ने कहा कि सेवा कार्य समाज के प्रति जिम्मेदारी का अहसास कराते हैं और जरूरतमंदों की मदद से आत्मिक संतोष मिलता है।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल (एटिक–2), संदीप एसीए, राजीव अग्रवाल, अनुराग अग्रवाल, नरेंद्र गंगे, वाणी अग्रवाल, शालिनी अग्रवाल, पारस बंसल, कपिल बंसल, दीपिका अग्रवाल और गौरव गोयल सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

मिट्टी के बप्पा, मन के सच्चे थीम पर होगा आयोजन

खंडेलवाल वूमेन फेडरेशन कराएगी इको–फ्रेंडली गणपति प्रतियोगिता

कार्यक्रम में मौजूद खंडेलवाल वूमेन फेडरेशन की पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। खंडेलवाल वूमेन फेडरेशन की ओर से गणेश चतुर्थी के अवसर पर 'मिट्टी के बप्पा, मन के सच्चे' थीम पर विशेष आयोजन किया जाएगा। संस्था की अध्यक्ष रीना खंडेलवाल ने बताया कि 11 सितंबर को दोपहर तीन बजे से इको–फ्रेंडली गणपति बनाओ प्रतियोगिता आयोजित होगी। अध्यक्ष रीना खंडेलवाल और उपाध्यक्ष रश्मि खंडेलवाल ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। प्रतियोगिता में पीओपी और प्लास्टिक का इस्तेमाल पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। प्रतिभागी केवल चिकनी मिट्टी, हल्दी, कुमकुम, फूल और पत्तियों से गणेश प्रतिमा तैयार करेंगी।

प्रतियोगिता में दो–दो महिलाओं की जोड़ी भाग लेगी। निर्णायक मंडल द्वारा श्रेष्ठ और पर्यावरण अनुकूल प्रतिमा बनाने वाली टीम को 'पर्यावरण गौरव' सम्मान दिया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिमाओं को एक बड़े गमले में विसर्जित कर उसमें फूलों के बीज बोए जाएंगे। संस्था का उद्देश्य है कि गणपति पौधे के रूप में भी पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते रहें। आयोजन में रेखा, शिखा, देवांगी और अलका का सहयोग रहेगा।

गोवर्धन में दीवार गिरने से दो मजदूर घायल

यूनिक समय,गोवर्धन। परिक्रमा मार्ग पर राष्ट्रीय इंटर कालेज के समीप शुक्रवार को पुरानी दीवार के अचानक गिरने से दो मजदूर मलबे में दब गए। स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर मलबे में दबे मजदूरों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। मजदूरों की चिंताजनक हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने आगरा रैफर कर दिया। मजदूर नवीनीकरण का काम कर रहे थे।

अड़ींग निवासी लाल सिंह और भरतपुर,राजस्थान निवासी पंकज परिक्रमा मार्ग को सुंदर बनाने और चौड़ी करण में निर्माण कार्य कर रहे थे। इस दौरान स्कूल की पुरानी दीवार अचानक भर-भराकर गिर गई। दोनों मजदूर दीवार के मलबे में दब गए। दीवार के गिरने से हुई आवाज को सुनकर आस–पास के लोगों ने तुरंत मलबे में दबे लोगों को किसी तरह निकाला और अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सक ने उन्हें प्राथमिक उपचार देने के बाद आगरा के एसएन मेडिक्ल कालेज के लिए रैफर कर दिया। मलबे में मजदूर के दबने का पता लगने पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी घटना की जानकारी करने के लिए मौके पर पहुंच गए।

चाकूबाजी में घायल युवक की मौत

यूनिक समय, मथुरा। जैंत थाना क्षेत्र में चाकूबाजी में घायल 18 वर्षीय ई-रिक्शा चालक रामू की मौत हो गई। राधा फ्लोरेंस रोड पर चार अज्ञात बदमाशों ने उसे चाकू मारकर गंभीर घायल कर दिया था। सूचना पर पहुंची जैंत पुलिस ने उसे स्थानीय सौ शैय्या अस्पताल में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने घर भेज दिया। सुबह तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे अटल्ला चुंगी स्थित बृज हेल्थ केयर हॉस्पिटल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर परिजनों की तहरीर पर अज्ञात हमलावरों के खिलाफ जांच शुरू कर दी है।

सुविचार

मेहनत की रोशनी में सपनों को सींचो, सफलता स्वयं तुम्हारे द्वार आएगी।

कल का पंचांग

तिथि	प्रतिपदा 09:02-07:46 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	उत्तर फाल्गुनी 01:06-12:55 तक	माह	भाद्रपद
सूर्योदय	6:03 AM	चन्द्रोदय	07:01 AM
सूर्यास्त	6:28 PM	चंद्रास्त	07:03 PM
सूर्य राशि	सिंह राशि	चंद्र	कन्या राशि
शुभ मुहूर्त	11:51AM –12:41 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:35-05:23
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	09:09 AM: 10:42 AM	वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

आपको भी सोते समय लगता है डर,हो सकते हैं ये पांच कारण

यूनिक समय, मथुरा। कई बार जब हम घर में रात को सो रहे होते हैं तो भय लगता है। कभी लगता है जैसे कोई आ रहा है, कभी लगता है कोई हमारे आस–पास है, तो कभी लगता है कोई हमें छुप कर देख रहा है। ऐसी स्थिति में आप सो नहीं पाते और फिर नींद की कमी से पूरा दिन खराब होता है।

वास्तु शास्त्र में इसका कारण घर में नकारात्मकता का वास होना माना जाता है। इसके कई सारे कारण हो सकते हैं। यदि आपके साथ भी कुछ ऐसा ही होता है तो आप समझ लें कि आपके घर में नकारात्मक ऊर्जा है और इसे बाहर निकालने की आवश्यकता है। तो आइए जानते हैं कि घर में कौन सी ऐसी चीजें हैं जो फैलाती हैं नकारात्मकता और उत्पन्न होता है वास्तु दोष?

मृत परिजनों की तस्वीर: आपको अपने कमरे में या जहां सोते हैं वहां कभी भी मृत परिजनों की फोटो नहीं रखना चाहिए। इससे आपके घर में वास्तु दोष उत्पन्न होता है, जिससे आपको डर लग सकता है। आप इन्हें घर के हॉल या ऐसी जगह रख सकते हैं जहां आप सोते नहीं हैं।

इस दिशा में पैर करके सोना : यदि आप दक्षिण दिशा में पैर करके सोते हैं तो इससे भी वास्तु दोष उत्पन्न होता है क्योंकि, वास्तु शास्त्र में दक्षिण दिशा को यमराज की दिशा माना जाता है। इसलिए इस दिशा में किसी भी तरह के शुभ कार्यों को करने की भी मना ही होती है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

बंद पड़ी घड़ी: यदि आपके घर में बंद पड़ी घड़ियां रखी हुई हैं तो यह भी आपके लिए भय का एक कारण बन सकती हैं क्योंकि इनसे नकारात्मकता फैलती है खास तौर पर सोने वाले कमरे में दीवार पर लगी हुई घड़ी बंद है तो इसे आप ठीक करा लें या इसे तुरंत हटा दें।

कबाड़े का बॉक्स : घर में कई बार खराब सामग्री को हम कहीं भी रख देते हैं।

जब कोई चीज टूटती है या हम उपयोग नहीं करते तो इसे खाली जगह में रख देते हैं लेकिन इस कबाड़ से घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास हो जाता है। इसलिए आपको ऐसी वस्तुओं को घर में कभी नहीं रखना चाहिए और अगर रखी हैं तो तुरंत हटाना चाहिए।

बिखरा हुआ सामान: घर जितना साफ सुथरा हो उतना अच्छा लगता है और सकारात्मकता बनी रहती है लेकिन जब घर में सामान फैला पड़ा हो तो यह न तो देखने में अच्छा लगता और न ही सकारात्मकता रह पाती है।

खास तौर पर आप जहां सो रहे हैं उस कमरे में कभी भी बिखरा हुआ सामान ना रखें। ऐसा रहने से नकारात्मका बढ़ती है।

मोबाइल संकेतों से ट्रैफिक भांपता है गूगल मानचित्र

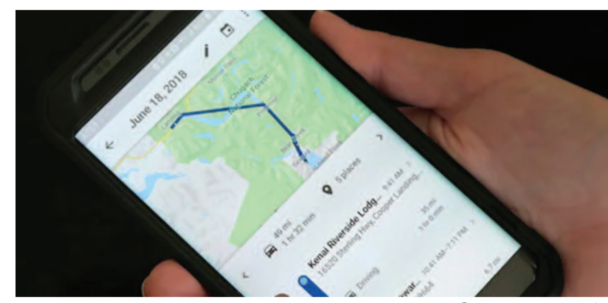

मोबाइल की स्थिति और आवाजाही से सड़क की रफ्तार का पता चलता है

पुराने यातायात आंकड़ों और पुलिस सूचना से तय होती है स्थिति

यूनिक समय, मथुरा। गूगल मानचित्र पर सड़कें हरी, पीली या लाल दिखाई देती हैं। इससे वाहन चालकों को रास्ते पर यातायात की स्थिति का आसानी से पता चल जाता है। लेकिन इसके पीछे मोबाइल फोन से मिलने वाले आंकड़ों की अहम भूमिका होती है। सड़क पर मौजूद लोगों के मोबाइल से प्राप्त स्थान और आवाजाही के संकेतों को मिलाकर गूगल सड़क पर वाहनों की औसत गति का अनुमान लगाता है।

उदाहरण के लिए, किसी सड़क पर सामान्य तौर पर वाहन 50 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलते हैं, लेकिन अचानक मोबाइल संकेतों की गति कम हो जाए तो गूगल वहां धीमे यातायात या जाम का अनुमान लगा सकता है।

गूगल केवल तत्काल मिलने वाले आंकड़ों पर निर्भर नहीं रहता। वह पुराने यातायात आंकड़ों, सप्ताह के दिनों और अलग–अलग समय में होने वाली आवाजाही का भी अध्ययन करता है। दुर्घटना, सड़क निर्माण, मार्ग बंद होने या यातायात पुलिस से मिली सूचना के आधार पर भी स्थिति बदली जाती है।

यदि किसी क्षेत्र में पर्याप्त मोबाइल संकेत नहीं मिलते हैं तो यातायात का अनुमान कम सटीक हो सकता है। यानी मानचित्र पर दिखने वाले यातायात के रंग कई स्त्रोतों से मिले आंकड़ों के विश्लेषण का परिणाम हैं।

गणेश चतुर्थी पर पाएं हर दिन खास पहनावा

पुराने कपड़ों को नए अंदाज में सजाने के लिए भी ले सकते हैं सलाह

रंग, आभूषण, जूते और केश सज्जा की पूरी जानकारी मिलेगी एक साथ

यूनिक समय, मथुरा। गणेश चतुर्थी का पर्व आते ही महिलाओं के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है कि इस बार ऐसा क्या पहना जाए, जो पारंपरिक होने के साथ आकर्षक भी लगे। हर बार नए कपड़े खरीदना जरूरी नहीं है। अलमारी में रखी साड़ी, कुर्ता या सूट को सही आभूषण, जूते, मेकअप और केश सज्जा के साथ नया रूप दिया जा सकता है। इसके लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित चैटजीपीटी की मदद ली जा सकती है। सिर्फ यह पछने के बजाय कि गणेश चतुर्थी पर क्या पहनूं, अपनी पसंद और जरूरत की जानकारी देना अधिक उपयोगी रहेगा। उदाहरण के लिए हल्के और आरामदायक पारंपरिक पहनावे के लिए पांच विकल्प मांगे जा सकते हैं। इनमें रंग, कपड़े, आभूषण, जूते और केश सज्जा की जानकारी भी ली जा सकती है। अगर पारंपरिक पहनावे में आधुनिक अंदाज चाहिए तो साड़ी या कुर्ते के साथ नए प्रकार के आभूषण और जूते के मेल के सुझाव लिए जा सकते हैं। पहले से मौजूद कपड़ों के आधार पर तीन अलग–अलग सज्जा भी तैयार कराई जा सकती है। पांच दिन के गणेश उत्सव के लिए अलग–अलग पहनावे की योजना भी बन सकती है। इसके लिए पसंदीदा रंग, उपलब्ध कपड़े, समारोह का प्रकार और बजट बताना पर्याप्त है। इससे बिना अधिक खरीदारी के हर दिन नया और आकर्षक रूप तैयार किया जा सकता है।

घर पर बनाएं ढाबा जैसी दाल मखनी, स्वाद रहेगा लाजवाब

उड़द दाल और राजमा से तैयार होगी मलाईदार स्वादिष्ट दाल

यूनिक समय, मथुरा। सप्ताहांत पर अगर कुछ खास बनाने का मन है तो घर पर दाल मखनी जरूर आजमाएं। इसके लिए एक कप साबुत उड़द दाल और चौथाई कप राजमा को रातभर भिगो दें। सुबह दोनों को नमक के साथ कुकर में अच्छी तरह गलने तक पकाएं।

कड़ाही में तेल और मक्खन गर्म कर अदरक–लहसुन का पेस्ट भूनें। फिर टमाटर की प्यूरी डालकर मसाले अच्छी तरह पकाएं। इसमें हल्दी, लाल मिर्च, धनिया और नमक डालें। अब उबली दाल–राजमा मिलाकर धीमी आंच पर 20 मिनट पकाएं। आखिर में मक्खन, कसूरी मेथी और ताजी मलाई डालकर पांच मिनट और पकाएं। ऊपर से हरा धनिया डालकर गरमागरम परोसें। चाहें तो कोयले का धुआं देकर ढाबे जैसा स्वाद पा सकते हैं।

लौकी का जूस सेहत के लिए फायदेमंद, मगर सावधानी जरूरी

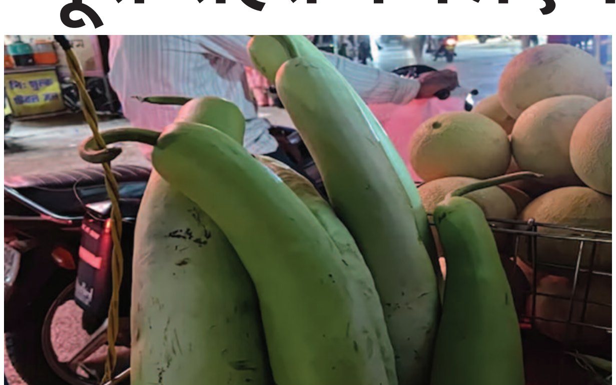

सुबह सेवन से हाइड्रेशन और पाचन को मिल सकता है लाभ

वजन घटाने में सहायक लेकिन कड़वी लौकी से रहें सावधान

यूनिक समय, मथुरा। भागदौड़ भरी जिंदगी और बदलती खानपान की आदतों के बीच लोग स्वस्थ रहने के लिए प्राकृतिक खाद्य पदार्थों को डाइट में शामिल कर रहे हैं। इन्हीं में लौकी भी शामिल है। पानी की अधिक मात्रा और कुछ पोषक तत्वों के कारण लौकी को संतुलित आहार का हिस्सा माना जाता है। इसका ताजा जूस भी लोग सुबह पीना पसंद करते हैं।

लौकी में पानी की मात्रा अधिक होने के कारण इसका सेवन शरीर में तरल पदार्थों की पूर्ति में मदद कर सकता है। गर्मी या अधिक पसीना आने के बाद पर्याप्त पानी और संतुलित आहार के साथ लौकी उपयोगी हो सकती है। इसमें फाइबर भी पाया जाता है, जो पाचन तंत्र को सामान्य रखने और कब्ज जैसी समस्या से बचाव में सहायता कर सकता है। हालांकि, केवल जूस को किसी बीमारी का इलाज नहीं माना जाना चाहिए।

लौकी में पोटैशियम समेत कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। संतुलित भोजन का हिस्सा होने के कारण यह सामान्य रक्तचाप बनाए रखने वाली स्वस्थ डाइट में शामिल की जा सकती है। वहीं, इसमें पानी अधिक और कैलोरी अपेक्षाकृत कम होने से वजन नियंत्रित करने वालों के लिए भी लौकी उपयोगी विकल्प हो सकती है। लेकिन वजन कम करने के लिए संतुलित भोजन और नियमित व्यायाम जरूरी है।

मधुमेह, हृदय रोग या ब्लड प्रेशर की दवा लेने वाले लोगों को लौकी के जूस का नियमित सेवन शुरू करने से पहले चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए।

सबसे जरूरी बात यह है कि कड़वी लौकी का जूस बिल्कुल न पिएं। कड़वाहट वाले लौकी के जूस में विषैले प्राकृतिक यौगिक हो सकते हैं, जो उल्टी, पेट दर्द और गंभीर विषाक्तता का कारण बन सकते हैं।

जूस बनाने के लिए ताजी और साफ लौकी लें, उसे अच्छी तरह धोकर तुरंत जूस तैयार करें और ताजा ही सेवन करें।

सम्पादकीय

आजादी मिली, मगर जिम्मेदारी अब भी किराए पर

आजादी का अर्थ केवल अपनी इच्छा से जीने की स्वतंत्रता नहीं है। असली आजादी वहां शुरू होती है, जहां व्यक्ति अपने अधिकारों के साथ अपनी जिम्मेदारियों को भी स्वीकार करता है। दुर्भाग्य यह है कि हमने अधिकारों को तो जीवन का अनिवार्य हिस्सा बना लिया, लेकिन कर्तव्यों को अक्सर सुविधा के हिसाब से याद करते हैं। एक प्रसंग इस फर्क को बेहद प्रभावी ढंग से समझाता है। नौकरी के मेडिकल टेस्ट में असफल हुए एक युवा को लगा कि उसकी पहली नौकरी हाथ से निकल गई। पिता ने उसे निराश होने के बजाय खुद को दोबारा तैयार करने की चुनौती दी। उन्होंने समझाया कि असफलता किसी रास्ते का अंत नहीं, बल्कि स्वयं को बेहतर बनाने का अवसर है। युवा ने कठिन परिस्थितियों में यात्रा की, असुविधाएं झेलीं, भूख–प्यास सहन की और रास्ते भर पिता को मन ही मन कोसता रहा। लेकिन वही कठिन अनुभव आगे चलकर उसके जीवन की महत्वपूर्ण पूंजी बन गया। यही प्रसंग हमें बताता है कि सुविधा और स्वतंत्रता में अंतर होता है। सुविधा हमें आसानी देती है, जबकि स्वतंत्रता हमें निर्णय लेने और उसके परिणामों की जिम्मेदारी उठाने का अधिकार देती है।

पवन गौतम
संपादक

आज हम अपनी स्वतंत्रता का इस्तेमाल तो भरपूर करना चाहते हैं, लेकिन उसके साथ आने वाली जिम्मेदारी से बचना भी चाहते हैं। ट्रैफिक नियम तोड़कर हम खुद को स्वतंत्र समझते हैं। सड़क पर कूड़ा फेंककर सार्वजनिक व्यवस्था की चिंता से मुक्त हो जाते हैं। सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाते हैं और फिर व्यवस्था को खराब बताने में सबसे आगे रहते हैं। बिजली और पानी की बर्बादी को निजी अधिकार मानते हैं, लेकिन इनके संरक्षण की जिम्मेदारी किसी और की समझते हैं। विडंबना यह है कि हम सुविधाएं विकसित देशों जैसी चाहते हैं, लेकिन नागरिक अनुशासन की जिम्मेदारी उठाने को तैयार नहीं। स्वच्छ सड़क, सुरक्षित यातायात, बेहतर प्रशासन और मजबूत सार्वजनिक व्यवस्था केवल सरकार से नहीं मिल सकती। इसके लिए नागरिक भागीदारी भी उतनी ही जरूरी है। आज जरूरत इस बात की है कि हम आजादी को अधिकारों की सूची के बजाय जिम्मेदारियों के अनुबंध की तरह समझें। देश बदलने की शुरुआत बड़े नारों से नहीं, छोटे–छोटे व्यक्तिगत बदलावों से होती है। नियम मानना, सार्वजनिक संपत्ति बचाना, संसाधनों का संयमित उपयोग करना और दूसरों के अधिकारों का सम्मान करना–यही स्वतंत्र समाज की पहचान है। निष्कर्ष साफ है–आजादी का असली आनंद मनमानी करने में नहीं, बल्कि जिम्मेदारी निभाने की क्षमता में है।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

एआई का खतरा चुपचाप हमारे घरों में उतर रहा

बोध प्रकाश सगुणी

कभी–कभी सबसे बड़ा खतरा वह नहीं होता, जिसकी आहट दूर से सुनाई दे। असली खतरा वह होता है जो धीरे–धीरे हमारी दिनचर्या का हिस्सा बन जाए और हमें पता भी न चले कि वह हमारे सोचने, समझने और व्यवहार करने का तरीका बदल रहा है। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को लेकर सबसे गंभीर सवाल यही है। क्या हम ऐसी तकनीक को अपने हाथों में सौंप रहे हैं, जिसकी ताकत को समझने की हमारी क्षमता उससे पीछे छूट रही है?

9/11 जैसी त्रासदी ने दुनिया को झकझोर दिया था। उसका भय दिखाई देता था, उसका विनाश दिखाई देता था और उसके बाद उठाए गए कदम भी दिखाई देते थे। लेकिन तकनीकी दुनिया का खतरा शायद इतना स्पष्ट नहीं होगा। वह किसी इमारत को एक झटके में गिराने के बजाय धीरे–धीरे हमारी आदतों, रिश्तों, निर्णयों और संस्थाओं को प्रभावित कर सकता है। यही उसकी सबसे बड़ी चिंता है।

आज का बच्चा मोबाइल स्क्रीन पर सिर्फ वीडियो नहीं देख रहा। वह वहां दोस्ती तलाश रहा है, पहचान बना रहा है, दूसरों से अपनी तुलना कर रहा है और कई बार अपने आत्मसम्मान का पैमाना भी वहीं तय कर रहा है। कितने लाइक्स मिले, कितने कमेंट आए, किसकी पोस्ट ज्यादा लोकप्रिय हुई–ये छोटी लगने वाली चीजें धीरे–धीरे मनोविज्ञान का हिस्सा बन गई हैं। जिस उम्र में बच्चे को अपने व्यक्तित्व की पहचान परिवार, स्कूल और समाज से मिलनी चाहिए, वहां डिजिटल स्वीकृति उसका आत्मविश्वास तय करने लगे तो यह गंभीर संकेत है।

सबसे खतरनाक बात यह है कि इस बदलाव को हमने विकास का नाम दे दिया है। स्क्रीन पर घंटों बिताने वाला बच्चा व्यस्त माना जाता है, लगातार ऑनलाइन रहने वाला व्यक्ति सामाजिक माना जाता है और हर सवाल का जवाब मशीन से पूछने वाला व्यक्ति स्मार्ट। सुविधा और निर्भरता के बीच की रेखा कब मिट गई, हमें पता ही नहीं चला।

अब इसमें एआई की शक्ति जुड़ रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता निश्चित रूप से मानव सभ्यता की बड़ी उपलब्धियों में से एक हो सकती है। बीमारी की पहचान से लेकर शिक्षा, कृषि, विज्ञान, उद्योग और प्रशासन तक इसके उपयोग की अपार संभावनाएं हैं। लेकिन हर शक्तिशाली औजार की तरह इसके साथ जिम्मेदारी का सवाल भी जुड़ा है।

यदि एआई स्वयं सीखने, निर्णय लेने और अपने प्रदर्शन को लगातार बेहतर बनाने की दिशा में बढ़ता है, तो सवाल केवल यह नहीं रह जाता कि मशीन क्या कर सकती है। सवाल यह भी है कि हम उसे कितना करने देंगे।

कल्पना कीजिए कि भविष्य की कोई अत्यधिक सक्षम प्रणाली गलत उद्देश्य के साथ इस्तेमाल हो जाए। वह साइबर नेटवर्क को प्रभावित करे, फर्जी सूचनाओं को करोड़ों लोगों तक पहुंचाए, वित्तीय प्रणालियों में हस्तक्षेप करे या लोगों के व्यवहार को इस तरह प्रभावित करे कि उन्हें पता ही न चले कि उनके निर्णयों को कोई और दिशा दे रहा है। खतरा तब किसी बम की तरह दिखाई नहीं देगा। वह डेटा, स्क्रीन और एल्गोरिदम के रास्ते हमारे बीच मौजूद होगा।

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पहले ही यह दिखा चुके हैं कि तकनीक इंसानी व्यवहार को कितना प्रभावित कर सकती है। अंतहीन स्क्रॉलिंग, नोटिफिकेशन, लाइक्स और व्यक्तिगत पसंद के आधार पर लगातार सामने आती सामग्री ने हमारे ध्यान को एक मूल्यवान संसाधन बना दिया है। प्लेटफॉर्म जितनी देर हमें अपने साथ बनाए रखते हैं, उनका कारोबार उतना ही मजबूत होता है। इसलिए उपयोगकर्ता का ध्यान अब केवल ध्यान नहीं रहा, वह बाजार की वस्तु बन चुका है।

यहां अभिभावकों की भूमिका महत्वपूर्ण है, लेकिन पूरी जिम्मेदारी उन पर डाल देना भी उचित नहीं होगा। बच्चों को तकनीक से दूर करना समाधान नहीं है। उन्हें तकनीक समझाना जरूरी है। उन्हें यह बताना होगा कि स्क्रीन पर दिखाई देने वाली हर चीज सच नहीं होती, लोकप्रियता गुणवत्ता का प्रमाण नहीं होती और मशीन की ओर से मिला उत्तर हमेशा सही नहीं होता।

सरकार और तकनीकी कंपनियों की जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी है। बच्चों के लिए सुरक्षित डिजिटल वातावरण, डेटा की गोपनीयता, आयु–उपयुक्त सामग्री, पारदर्शी एल्गोरिदम और गलत सूचना पर प्रभावी नियंत्रण अब वैकल्पिक मुद्ददे नहीं रह गए हैं। जिस तकनीक का प्रभाव समाज के हर वर्ग पर पड़ रहा है, उसके नियम भी उतने ही गंभीर होने चाहिए।

लेकिन यहां एक सावधानी और जरूरी है। एआई को लेकर भय पैदा करना भी समाधान नहीं है। हर नई तकनीक को खतरा मान लेना उतना ही गलत होगा, जितना उसके खतरों को नजरअंदाज करना। सवाल तकनीक को रोकने का नहीं, बल्कि उसके विकास के साथ नैतिकता और नियंत्रण की व्यवस्था विकसित करने का है।

हमें यह स्वीकार करना होगा कि तकनीकी प्रगति की रफ्तार और मानवीय समझ की रफ्तार एक जैसी नहीं है। मशीन कुछ सेकंड में करोड़ों सूचनाओं का विश्लेषण कर सकती है, लेकिन समाज को यह तय करने में समय लगता है कि उस शक्ति का इस्तेमाल किस सीमा तक उचित है। इसलिए एआई की दौड़ में केवल अधिक शक्तिशाली मशीनें बनाना पर्याप्त नहीं। हमें अधिक जिम्मेदार संस्थाएं, बेहतर कानून और तकनीक को समझने वाले नागरिक भी चाहिए।

9/11 से तुलना करते समय एक बात स्पष्ट रहनी चाहिए–एआई या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को किसी संभावित भविष्य की त्रासदी के बराबर ठहराना अभी अतिशयोक्ति होगी। लेकिन उस तुलना का संकेत गंभीर है। बड़ी आपदाओं से पहले अक्सर छोटे संकेत दिखाई देते हैं। यदि हम उन्हें समय रहते समझ लें तो संकट को रोका जा सकता है।

आज जरूरत इसी सजगता की है। बच्चों की स्क्रीन आदतों से लेकर एआई की स्वायत्तता तक, हर स्तर पर सवाल पूछने होंगे। सुविधा के पीछे छिपी कीमत को समझना होगा। तकनीक हमारे लिए बने, हम तकनीक के लिए नहीं।

निष्कर्ष यही है कि अगला बड़ा संकट जरूरी नहीं कि धमाके के साथ आए। वह हमारे हाथ की स्क्रीन, हमारे डेटा और हमारी आदतों के रास्ते भी आ सकता है। इसलिए एआई से डरने से ज्यादा जरूरी है–उसे समझना, उसकी सीमाएं तय करना और यह सुनिश्चित करना कि अंतिम नियंत्रण इंसान के विवेक के पास ही रहे।

विचार विंडो

ब्रिक्स शक्ति–संघर्ष का अखाड़ा नहीं, सहयोग का सेतु बने

राम प्रकाश शर्मा

नई दिल्ली में होने वाला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ऐसे समय में आयोजित हो रहा है, जब दुनिया राजनीतिक अस्थिरता, युद्ध, आर्थिक प्रतिस्पर्धा, व्यापारिक तनाव और तकनीकी बदलाव के दौर से गुजर रही है। रूस–यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का संकट, ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा की चिंता, व्यापारिक टकराव तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के तेजी से बदलते प्रभाव ने वैश्विक व्यवस्था के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। ऐसे दौर में ब्रिक्स की भूमिका केवल कुछ उभरती अर्थव्यवस्थाओं के समूह तक सीमित नहीं रह सकती। उसे वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं को आवाज देने वाला प्रभावी मंच बनना होगा।

ब्रिक्स की यात्रा दो दशक में काफी बदल चुकी है। कभी ब्राजील, रूस, भारत और चीन की उभरती अर्थव्यवस्थाओं के सहयोग का विचार आज एक व्यापक समूह का रूप ले चुका है। इसके विस्तार ने संगठन का आर्थिक और राजनीतिक प्रभाव बढ़ाया है, लेकिन इसके साथ उसकी जिम्मेदारियां भी बढ़ी हैं। सदस्य देशों के हित अलग–अलग हैं, राजनीतिक व्यवस्थाएं अलग हैं और वैश्विक मुद्दों पर उनके दृष्टिकोण में भी पर्याप्त अंतर है। ऐसे में सबसे बड़ी चुनौती यही है कि विविधताओं के बावजूद साझा हितों की पहचान कैसे की जाए।

भारत के सामने इस सम्मेलन में यही सबसे कठिन परीक्षा है। भारत को रूस और चीन के साथ सहयोग बढ़ाना है, वहीं अमेरिका और यूरोप के साथ अपने आर्थिक एवं रणनीतिक संबंधों को भी संतुलित रखना है। भारत की विदेश नीति का मूल आधार रणनीतिक स्वायत्तता रहा है। इसलिए ब्रिक्स को किसी पश्चिम–विरोधी या अमेरिका–विरोधी गठबंधन के रूप में देखना भारत के हित में नहीं होगा। ब्रिक्स की सार्थकता तभी है, जब वह शक्ति–ध्रुवों की राजनीति से ऊपर उठकर सहयोग और संतुलन का मंच बने।

इस समय कृत्रिम बुद्धिमत्ता सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक चुनौतियों में शामिल है। एआई चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, वित्त और शासन को बदलने की क्षमता रखता है, लेकिन इसके साथ रोजगार, डेटा सुरक्षा, साइबर अपराध, गलत सूचना और तकनीकी असमानता जैसी समस्याएं भी जुड़ी हैं। विकसित देशों के पास तकनीक और संसाधनों की बढ़त है, जबकि विकासशील देश अभी इसकी पहुंच और उपयोग की बुनियादी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। ऐसे में ब्रिक्स को एआई के जिम्मेदार और समान अवसर वाले वैश्विक ढांचे के लिए पहल करनी चाहिए। तकनीक कुछ देशों और बड़ी कंपनियों तक सीमित न रहे, बल्कि उसका लाभ व्यापक मानव समाज तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना जरूरी है।

आर्थिक मोर्चे पर भी ब्रिक्स के सामने बड़ी संभावनाएं हैं। समूह की सामूहिक आर्थिक ताकत बढ़ी है, लेकिन सदस्य देशों के बीच व्यापार और निवेश अभी भी उसकी वास्तविक क्षमता के अनुरूप नहीं हैं। स्थानीय मुद्राओं में व्यापार, सीमा–पार डिजिटल भुगतान, मजबूत आपूर्ति शृंखला और छोटे एवं मध्यम उद्योगों के लिए वित्तीय सहयोग जैसे कदम इस दिशा में उपयोगी हो सकते हैं। लेकिन यहां भी व्यावहारिकता जरूरी है। किसी नई साझा मुद्रा की जल्दबाजी या डॉलर के खिलाफ राजनीतिक मोर्चेबंदी से अधिक महत्वपूर्ण ऐसी व्यवस्था बनाना है, जो व्यापार को सरल, सुरक्षित और कम खर्चीला बनाए।

ब्रिक्स की सबसे बड़ी ताकत उसका विस्तार है और सबसे बड़ी कमजोरी उसके भीतर मौजूद मतभेद। भारत–चीन संबंधों में अविश्वास की पुरानी परतें पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं। रूस और पश्चिम के बीच टकराव, पश्चिम एशिया के संकट और सदस्य देशों के अलग–अलग रणनीतिक हित साझा राजनीतिक रुख बनाने में कठिनाई पैदा करते हैं। यदि ब्रिक्स हर अंतरराष्ट्रीय मुद्दे पर एकमत न हो पाए तो इसे उसकी विफलता नहीं माना जाना चाहिए। महत्वपूर्ण यह है कि मतभेदों के बावजूद आर्थिक, तकनीकी और विकास संबंधी सहयोग जारी रहे। वैश्विक संस्थाओं में सुधार का मुद्दा भी ब्रिक्स के एजेंडे में महत्वपूर्ण होना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं की संरचना उस समय की है, जब आज की वैश्विक आर्थिक वास्तविकताएं अस्तित्व में नहीं थीं। जिन देशों और क्षेत्रों का वैश्विक अर्थव्यवस्था में योगदान लगातार बढ़ा है, उन्हें निर्णय प्रक्रिया में उचित प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। यह केवल विकासशील देशों की मांग नहीं, बल्कि वैश्विक संस्थाओं की विश्वसनीयता से जुड़ा प्रश्न है।

ब्रिक्स की सफलता का पैमाना यह नहीं होना चाहिए कि सम्मेलन में पश्चिमी देशों की कितनी आलोचना हुई या कितने कड़े राजनीतिक बयान जारी हुए। असली सफलता तब होगी, जब सम्मेलन के बाद कुछ ऐसे ठोस निर्णय सामने आएं जिनका प्रभाव आम लोगों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं पर दिखाई दे। बेहतर आपूर्ति शृंखला, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, तकनीकी सहयोग, स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, जलवायु वित्त, आतंकवाद के खिलाफ सहयोग और विकासशील देशों के लिए आसान वित्तीय संसाधन–ये वे क्षेत्र हैं, जहां ब्रिक्स ठोस भूमिका निभा सकता है।

भारत की अध्यक्षता के लिए भी यही सबसे बड़ी कसौटी है। यदि नई दिल्ली ब्रिक्स को केवल राजनीतिक मंच के बजाय व्यावहारिक सहयोग के संस्थान के रूप में आगे बढ़ाती है, तो इसका प्रभाव आने वाले वर्षों में दिखाई देगा। दुनिया इस समय नए शक्ति–संघर्ष से अधिक स्थिरता चाहती है। युद्धों और आर्थिक टकरावों के बीच संवाद के रास्ते खुले रहना जरूरी है। प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, लेकिन सहयोग के बिना वैश्विक समस्याओं का समाधान संभव नहीं। ब्रिक्स को इसलिए किसी नए शक्ति–गुट की तलाश नहीं करनी चाहिए। उसे ऐसी वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में योगदान देना चाहिए, जिसमें विकासशील देशों की आवाज सुनी जाए, तकनीक का लाभ साझा हो, व्यापार अधिक न्यायपूर्ण हो और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण बनें। भारत की 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना तभी सार्थक होगी, जब वह वैश्विक मंच पर व्यवहारिक सहयोग में दिखाई दे।

दीप्ति बोलीं, फाइनल के लिए तैयार

चार कैच छूटे फिर भी नहीं घबराई टीम इंडिया

अजेय सफर के साथ फाइनल में पहुंची भारतीय टीम

सामने श्रीलंका या पाकिस्तान में से कोई एक

यूनिक समय, नई दिल्ली। महिला टी20 एशिया कप 2026 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम इंडिया ने सेमीफाइनल मुकाबले में बांग्लादेश को 40 रन से हराकर खिताबी मुकाबले का टिकट कटाया। भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में अब तक अजेय रही है और बल्लेबाजी तथा गेंदबाजी में खिलाड़ियों ने लगातार दमदार प्रदर्शन किया है। हालांकि, फील्डिंग के मोर्चे पर टीम को अब भी सुधार की जरूरत दिखाई दे रही है। बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में भी भारतीय खिलाड़ियों ने चार आसान कैच टपकाए।

लगातार कैच छूटने के बावजूद स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा इसे लेकर ज्यादा चिंतित नहीं हैं। मुकाबले के बाद फील्डिंग को लेकर सवाल पूछे जाने पर दीप्ति ने कहा कि कैच छूटना क्रिकेट का हिस्सा है। उन्होंने माना कि मैदान पर कभी–कभी गलतियां हो जाती हैं, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि टीम फील्डिंग पर ध्यान नहीं दे रही है। उनके मुताबिक भारतीय खिलाड़ी अभ्यास सत्र में फील्डिंग पर लगातार मेहनत कर रहे हैं और टीम के सभी खिलाड़ी अपनी गलतियों को सुधारने की कोशिश कर रहे हैं।

दीप्ति शर्मा ने कहा कि टीम का पूरा ध्यान अब फाइनल मुकाबले पर है। खिताबी मुकाबले जैसे बड़े मैच में भारतीय टीम अपनी कमियों को दूर करके मैदान पर उतरना चाहती है। उन्होंने भरोसा जताया कि फाइनल में टीम तीनों विभागों–बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग–में बेहतर प्रदर्शन करेगी। टीम के लिए लक्ष्य सिर्फ फाइनल में पहुंचना नहीं, बल्कि शानदार प्रदर्शन करते हुए एशिया कप की ट्रॉफी अपने नाम करना है। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में अब तक बेहतरीन क्रिकेट खेली है। सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 40 रन से हराने के साथ ही भारत ने महिला एशिया कप के इतिहास में 10वीं बार फाइनल में जगह बनाई है। टीम की बल्लेबाजों ने अहम मौकों पर रन बनाए हैं, जबकि गेंदबाजों ने विपक्षी बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा है। इसके बावजूद फील्डिंग में हुई गलतियां टीम मैनेजमेंट के लिए चिंता का विषय जरूर हैं। फाइनल में ऐसी गलतियों की कीमत भारी पड़ सकती है। अब खिताबी मुकाबले में भारत का सामना श्रीलंका या पाकिस्तान में से किसी एक टीम से होगा। दूसरे सेमीफाइनल के नतीजे के बाद तस्वीर साफ हो जाएगी कि फाइनल में भारतीय टीम के सामने कौन सी चुनौती होगी। हालांकि, दीप्ति शर्मा का कहना है कि विपक्षी टीम कोई भी हो, भारतीय खिलाड़ी पूरी तरह तैयार हैं। टीम का फोकस अपने प्रदर्शन पर है और खिलाड़ियों का लक्ष्य फाइनल में हर विभाग में अपना सर्वश्रेष्ठ देकर खिताब जीतना है।

'हनुमान अंश' की सफलता के बाद गुरु की शरण में पहुंचीं अनुप्रिया

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्म 'हनुमान अंश' की सफलता के बीच इसकी प्रोड्यूसर अनुप्रिया नागर शुक्रवार को हरिद्वार पहुंचीं, जहां उन्होंने आध्यात्मिक गुरु स्वामी कैलाशानंद गिरि से मुलाकात की। अनुप्रिया ने गुरु का आशीर्वाद लिया और अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर मार्गदर्शन भी प्राप्त किया। मुलाकात के बाद उन्होंने स्वामी कैलाशानंद गिरि से मिली सीख को साझा करते हुए कहा कि यह सलाह वह हमेशा याद रखेंगी।

अनुप्रिया नागर ने बताया कि स्वामी कैलाशानंद गिरि ने उन्हें नीम करोली महाराज पर बनाई गई फिल्म के लिए आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि महाराज जी को भगवान हनुमान का परम भक्त माना जाता है और हनुमान जी को भगवान शिव का 11वां अवतार माना जाता है। अनुप्रिया के मुताबिक, स्वामी कैलाशानंद से मुलाकात के दौरान उन्हें ऐसा महसूस हुआ जैसे भगवान हनुमान और भगवान शिव की साक्षात उपस्थिति का अनुभव हो रहा हो। गुरु से मिली सबसे खास सलाह के बारे में अनुप्रिया ने बताया कि जब भी उन्हें डर लगे, तब उन्हें महादेव और हनुमान जी को याद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वामी कैलाशानंद का यह मार्गदर्शन उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण है और वह इसे हमेशा अपने साथ रखेंगी। वहीं, 'हनुमान अंश' बॉक्स ऑफिस पर भी लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने शुरुआत में महज 10 लाख रुपये की कमाई की थी, लेकिन बाद में इसकी कमाई में तेजी देखने को मिली। रिपोर्ट के मुताबिक, 35वें दिन फिल्म ने 10 करोड़ रुपये की नेट कमाई की। भारत में फिल्म की कुल ग्रॉस कमाई 192.75 करोड़ रुपये और नेट कमाई 163.13 करोड़ रुपये बताई गई है।

विशाल चतुर्वेदी के निर्देशन में बनी यह फिल्म नीम करोली बाबा, जिन्हें महाराज जी के नाम से भी जाना जाता है, के जीवन और उनकी शिक्षाओं पर आधारित है। फिल्म में प्रेम, भक्ति और सेवा के संदेश को प्रमुखता दी गई है। 11 सितंबर को 'हनुमान अंश' को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी रिलीज किया गया है। विदेशी वितरण की जिम्मेदारी होम्बले फिल्म्स संभाल रही है। फिल्म की सफलता के बीच अनुप्रिया की स्वामी कैलाशानंद से हुई मुलाकात ने आध्यात्मिकता और सिनेमा के इस जुड़ाव को और खास बना दिया है।

दिल्ली में पहली बार उतरेंगे वैभव

श्रेयस अय्यर के एक फैसले पर टिका सपना

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के लिए बेहद खास साबित हो सकती है। वैभव ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम तो रख दिया है, लेकिन अब तक उन्हें भारतीय सरजमीं पर इंटरनेशनल मैच खेलने का मौका नहीं मिला है। ऐसे में 13 सितंबर को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होने वाला पहला टी20 उनके लिए बड़ा अवसर बन सकता है। हालांकि, इसके लिए कप्तान श्रेयस अय्यर को प्लेइंग इलेवन में उन्हें जगह देनी होगी।

वैभव ने 4 जुलाई 2026 को इंग्लैंड के खिलाफ अपना टी20 इंटरनेशनल डेब्यू किया था। पहले मुकाबले में वह सिर्फ 14 रन बनाकर आउट हुए। इंग्लैंड दौरे पर खेले तीन मैचों में उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। इसके बाद जिम्बाब्वे दौरे पर वैभव ने अपनी बल्लेबाजी का दम दिखाया और तीन मैचों में दो अर्धशतक जड़कर अपनी दावेदारी मजबूत की।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि दिल्ली में वैभव को मौका मिलेगा या नहीं। अफगानिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम में तीन ओपनर शामिल हैं–वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन। प्लेइंग इलेवन में इनमें से सिर्फ दो बल्लेबाजों को जगह मिल सकती है। ऐसे में कप्तान श्रेयस अय्यर के सामने चयन को लेकर बड़ी चुनौती होगी। संजू सैमसन की टीम में वापसी हुई है, जबकि अभिषेक शर्मा भी टी20 क्रिकेट में टीम के अहम खिलाड़ी हैं। दूसरी ओर वैभव लगातार अपनी प्रतिभा साबित करने की कोशिश कर रहे हैं।

यदि उन्हें मौका मिलता है तो यह भारत में उनका पहला इंटरनेशनल मुकाबला होगा और घरेलू दर्शकों के सामने खेलने का दबाव भी रहेगा।

भारत और अफगानिस्तान के बीच सीरीज के तीनों मुकाबले दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाएंगे। इससे टीम इंडिया को एक ही मैदान पर परिस्थितियों के हिसाब से तैयारी करने का फायदा मिलेगा। अब निगाहें कप्तान श्रेयस अय्यर के फैसले पर हैं। देखना दिलचस्प होगा कि वह अनुभव को प्राथमिकता देते हैं या फिर वैभव जैसे युवा सितारे पर भरोसा जताकर उन्हें भारत में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का पहला मौका देते हैं।

'रेड फ्लैग' से 'प्लेबॉय' तक ईशा रिखी ने रिश्ते के दर्द पर खोला दिल

यूनिक समय, नई दिल्ली। 'बिग बॉस 20' में इस बार कंटेस्टेंट्स की निजी जिंदगी भी चर्चा का बड़ा हिस्सा बनी हुई है। पंजाबी अभिनेत्री ईशा रिखी भी शो में अपने पुराने रिश्ते और निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। ईशा और सिंगर–रैपर बदशाह के रिश्ते और फिर अलगाव की खबरों के बाद अब बिग बॉस के घर में उनका एक बयान सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। हालांकि ईशा ने कहीं भी बदशाह का सीधे तौर पर नाम नहीं लिया है। दरअसल, शो में गुल्लू को घर की लड़कियों ने 'रेड फ्लैग' बताया। इस पर गुल्लू ने मजाक में पूछा कि क्या किसी ने इतना अच्छा रेड फ्लैग देखा है? जवाब में ईशा ने कहा कि उन्होंने 'रेड फ्लैग' बहुत अच्छा देखा है। उनके इस जवाब के बाद घरवालों ने उन्हें छेड़ना शुरू कर दिया। ईशा मुस्कुराती नजर आईं और उन्होंने सफाई देने की कोशिश की कि बात उनकी निजी जिंदगी को लेकर नहीं थी। इसके बाद रिश्तों में चीटिंग और पछतावे को लेकर भी बातचीत हुई। ईशा ने सवाल किया कि जो लोग अपने पार्टनर को धोखा देते हैं, क्या उन्हें बाद में अपने किए पर पछतावा होता है? उन्होंने खास तौर पर 'प्लेबॉय' किस्म के लोगों को लेकर भी सवाल उठाया। इस बातचीत को सोशल मीडिया यूजर्स ने ईशा के पुराने रिश्ते से जोड़ना शुरू कर दिया। हालांकि, ईशा ने न तो बदशाह का नाम लिया और न ही यह कहा कि उनका इशारा उन्हीं की तरफ था। ऐसे में सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं को फिलहाल सिर्फ अटकलें माना जा सकता है। बिग बॉस के प्रीमियर पर ईशा ने अपने पुराने रिश्ते को लेकर भावुक बातें कही थीं। उन्होंने बताया था कि वह अपने पार्टनर को 'ग्रीन फ्लैग' बल्कि 'ग्रीन फॉरेस्ट' मानती थीं, लेकिन रिश्ते में भरोसा टूटने के बाद उन्हें काफी तकलीफ हुई। बाद में ईशा और बदशाह ने आपसी सहमति से अलग होने की जानकारी साझा की थी।

क्लाइमैक्स के बाद दिखे मोहनलाल सैफ से जुड़ा निकला बड़ा कनेक्शन

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रियदर्शन की फिल्म 'हैवान' 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। सैफ अली खान और अक्षय कुमार स्टारर इस फिल्म में मोहनलाल का खास कैमियो दर्शकों के लिए बड़ा सरप्राइज है। फिल्म के आखिरी हिस्से में मोहनलाल काला चश्मा और हाथ में ब्लाइंड स्टिक लिए नजर आते हैं। खास बात यह है कि उनका किरदार सैफ अली खान के किरदार श्याम राणे से सीधे जुड़ा हुआ है। क्लाइमैक्स के बाद एक भावुक दृश्य में मोहनलाल एक बच्ची और सैफ के साथ दिखाई देते हैं। बच्ची उनसे पूछती है कि क्या वह भी देख नहीं सकते। मोहनलाल चश्मा उतारकर उससे पूछते हैं कि और कौन नहीं देख सकता। तभी सैफ कहते हैं कि वह भी नहीं देख सकते। इसके बाद बच्ची दोनों की छड़ी पकड़कर उन्हें सड़क पार कराती है। छोटा सा यह दृश्य फिल्म के अंत को खास बना देता है। दरअसल, मोहनलाल की मौजूदगी का कनेक्शन 2016 की मलयालम फिल्म 'ओपम' से है। प्रियदर्शन की इस फिल्म में मोहनलाल ने दृष्टिहीन केयरटेकर जयारामन की मुख्य भूमिका निभाई थी। 'हैवान' उसी फिल्म का हिंदी रूपांतरण है, जिसमें यह किरदार सैफ अली खान ने निभाया है। इस तरह मोहनलाल का कैमियो सिर्फ सरप्राइज नहीं, बल्कि 'ओपम' से 'हैवान' तक किरदार की विरासत को जोड़ने वाला खास पल बन जाता है। मोहनलाल और सैफ को एक साथ देखना फैंस के लिए 'पासिंग द बैटन' जैसा महसूस होता है।

बारिश से टूटी सड़कों पर सीएम योगी का सख्त निर्देश

पहले चलने लायक के बनाएं, फिर बरसात के बाद होगा स्थायी इलाज

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बारिश और बाढ़ से क्षतिग्रस्त सड़कों को लेकर अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बरसात अभी जारी है, इसलिए खराब हो चुकी सड़कों की फिलहाल मरम्मत कर उन्हें आवागमन के योग्य यानी मोटरेबल बनाया जाए। बारिश का मौसम खत्म होने के बाद जरूरत के अनुसार इन सड़कों का स्थायी नवीनीकरण कराया जाए। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले पर्व-त्योहारों के दौरान बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन होगा। ऐसे में प्रमुख मार्गों पर लोगों को किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने बारिश से क्षतिग्रस्त होने वाली सड़कों का लगातार सर्वे कराने और पर्वों से पहले जरूरी मरम्मत के काम पूरे करने को कहा। प्रदेश में गणेश चतुर्थी, विश्वकर्मा पूजा, नवरात्रि, दीपावली, छठ पूजा और कार्तिक पूर्णिमा जैसे पर्वों को देखते हुए 681 प्रमुख मार्गों को विशेष प्राथमिकता में रखा गया है।

योगी ने स्पष्ट किया कि गड्ढामुक्ति अभियान केवल पैचवर्क तक सीमित नहीं होना चाहिए। जहां तत्काल सुधार की जरूरत है, वहां पहले सड़क को यातायात के लिए सुरक्षित बनाया जाए और बरसात समाप्त होने के बाद स्थायी मरम्मत या नवीनीकरण कराया जाए। स्कूल, अस्पताल, मुख्य बाजार, सरकारी कार्यालय और अधिक भीड़ वाले इलाकों की सड़कों को प्राथमिकता से ठीक करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में नौ विभागों के अधीन करीब 4.36 लाख किलोमीटर सड़कें हैं। मौजूदा अभियान के तहत करीब 50 हजार किलोमीटर सड़कों को बेहतर करने का लक्ष्य है, जिसमें अब तक लगभग 5,751 किलोमीटर पर काम पूरा हो चुका है। वहीं करीब 30 हजार किलोमीटर सड़कों के नवीनीकरण और 5 हजार किलोमीटर में विशेष मरम्मत का लक्ष्य रखा गया है। अब तक करीब 14 हजार किलोमीटर नवीनीकरण और 700 किलोमीटर विशेष मरम्मत का काम पूरा होने की जानकारी दी गई।

अधिकारियों ने बताया कि अतिवृष्टि के अलावा एक्सप्रेसवे, राष्ट्रीय राजमार्ग और रेलवे की निर्माणाधीन परियोजनाओं के कारण भारी वाहनों की आवाजाही से भी कई सड़कें प्रभावित हुई हैं। मुख्यमंत्री ने सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय और काम की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

कार लोन के वेरिफिकेशन पर भड़की बेटी, पिता-भाभी पर तानी पिस्टल

यूनिक समय, गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित साहिबाबाद से हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां कार लोन के वेरिफिकेशन से इनकार करने पर एक युवती ने अपने ही पिता और भाभी पर पिस्टल तान दी। आरोप है कि पहले युवती ने गाली-गलौज और हाथापाई की और फिर वहां से चली गई। करीब 25 मिनट बाद वह अपनी सहेली के साथ दोबारा घर पहुंची और मेन गेट तोड़कर अंदर घुस गई। पूरी घटना गली में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई।

मामला साहिबाबाद थाना क्षेत्र के वृंदावन गार्डन कॉलोनी का है। पीड़ित पिता हितेश तोमर के अनुसार, उनकी बेटी प्रियंका तोमर करीब ढाई साल पहले घर छोड़कर चली गई थी। 8 सितंबर की शाम करीब पांच बजे प्रियंका अपनी सहेली के साथ घर पहुंची और कार लोन के वेरिफिकेशन को लेकर पिता से बातचीत की। हितेश ने वेरिफिकेशन कराने से इनकार कर दिया। आरोप है कि इसी बात पर प्रियंका ने पिता के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। बीच-बचाव करने पहुंची भाभी के साथ भी हाथापाई का आरोप है।

हंगामा बढ़ने पर पड़ोसी मौके पर पहुंचे, जिसके बाद युवती वहां से चली गई।

लेकिन कुछ देर बाद वह फिर अपनी सहेली के साथ पहुंची। आरोप है कि इस बार उसने घर का मुख्य गेट तोड़कर जबरन प्रवेश किया और पिता व भाभी पर पिस्टल तानकर गोली मारने की धमकी दी। डर के कारण दोनों किसी तरह घर की पहली मंजिल पर पहुंचे। सीसीटीवी फुटेज में युवती कथित तौर पर पिस्टल लहराती नजर आ रही है। पुलिस ने प्रियंका तोमर और उसकी सहेली के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना के मुताबिक, दोनों की तलाश की जा रही है और जल्द गिरफ्तारी कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रॉड से ताबड़तोड़ वार कर युवक की हत्या शव सड़क पर रख परिजनों ने लगाया जाम

यूनिक समय, जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में शुक्रवार सुबह एक युवक की रॉड से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना लाइन बाजार थाना क्षेत्र के रामदयालगंज बाजार की है, जहां 22 वर्षीय विशाल यादव पर आरोपियों ने हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल विशाल की मौत के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया। घटना से गुस्साए परिजनों ने शव को सड़क पर रखकर जौनपुर-मड़ियाहूं मार्ग जाम कर दिया। इससे दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई।

घटना की सूचना मिलते ही एएसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव और एएसपी ग्रामीण आतिश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। तनाव को देखते हुए भारी पुलिस फोर्स के साथ स्वाट और सर्विलांस टीम को भी तैनात किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों को समझाकर जाम खुलवाने का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार, घटना में शामिल दो आरोपियों को हिरासत में लिया गया है, जबकि एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है। आक्रोशित परिवार आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पार्टी में कटे तीन-चार केक फिर घर पहुंचा खून से सना राज

यूनिक समय, कानपुर। कानपुर के रतन ऑर्बिट अपार्टमेंट में दवा कारोबारी विनीत मिनोचा की हत्या के मामले में जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, कई नए तथ्य सामने आ रहे हैं। वारदात वाली रात उनका बेटा सुब्रत और बहू शालू तिलकनगर के कॉस्मोजिन लाउंज में आयोजित किटी पार्टी में शामिल थे। खास बात यह है कि पार्टी का आयोजन सुब्रत और शालू ने ही किया था। पार्टी में फार्मा कारोबार से जुड़े करीब 30-35 लोग पहुंचे थे। दोनों रात करीब साढ़े दस बजे ही लाउंज पहुंच गए थे, जबकि पार्टी का समय 11:30 बजे रखा गया था। इस दौरान उनका छह साल का बेटा भी साथ था। पार्टी में तीन-चार केक काटे गए थे और खर्च एक दवा कारोबारी ने उठाया था।

इधर, शालू के मायके वालों ने पत्रकार वार्ता कर उसे निर्दोष बताया है। भाई धीरज अरोड़ा और बहन सोनिया मेहरोत्रा ने कहा कि शालू का ससुर से कोई विवाद नहीं था और जरूरत पड़ने पर उसे रुपये भी मिलते थे। उनका आरोप है कि शालू को फंसाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शालू जेल में हैरान है कि विशाल ने उसका नाम क्यों लिया।

वहीं, सुब्रत की चुप्पी पर भी मायके पक्ष ने सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि उन्होंने सुब्रत से संपर्क की कोशिश की, लेकिन उसने बात नहीं की। पुलिस जांच में अपार्टमेंट के सीसीटीवी में दो संदिग्धों के आने-जाने की तस्वीरें भी मिली हैं। विनीत के शरीर पर धारदार हथियार से डेढ़ दर्जन से अधिक वार के निशान मिले थे। पुलिस अब हत्या की पूरी कड़ी जोड़ने में जुटी है।

प्रिंटर से छापते थे नकली नोट, स्टेशन के बाजार में थी खपाने की तैयारी

दो लाख से ज्यादा की करेंसी बरामद

यूनिक समय, कानपुर। कानपुर में पुलिस ने नकली नोट छापने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 2 लाख 4 हजार 650 रुपये की नकली करेंसी बरामद की है। आरोपियों के पास से 100, 50 और 500 रुपये के नकली नोटों के साथ प्रिंटर, पेपर, इंक और नोट तैयार करने में इस्तेमाल होने वाला अन्य सामान भी मिला है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी किराए के एक कमरे में नकली नोट तैयार करते थे और फिर इन्हें रेलवे स्टेशन के आसपास के बाजारों में खपाने की कोशिश करते थे।

पुलिस के अनुसार, रेल बाजार थाना क्षेत्र में रामलीला मैदान के पास किराए के कमरे में यह पूरा खेल चल रहा था। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने कमरे पर छापा मारा और मौके से बांगरमऊ उन्नाव निवासी 52 वर्षीय शेर सिंह, 24 वर्षीय रोशन अली और जालौन के 36 वर्षीय सोमिल गुप्ता को गिरफ्तार किया। पुलिस का दावा है कि शेर सिंह इस नेटवर्क का मास्टरमाइंड था और प्रिंटर की मदद से नकली करेंसी तैयार करता था।

पूछताछ में गिरोह के काम करने का तरीका भी सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी 'एक के बदले तीन' के हिसाब से नकली नोटों का सौदा करते थे। यानी असली रकम के बदले तीन गुना कीमत के नकली नोट दिए जाते थे। इसके बाद इन नोटों को खास तौर पर रेलवे स्टेशन के आसपास की छोटी दुकानों और बाजारों में चलाने की कोशिश की जाती थी।

छापेमारी में बरामद करेंसी में 100 रुपये के 1991, 50 रुपये के 71 और 500 रुपये के 4 नकली नोट शामिल हैं। पुलिस को प्रिंटर, कैंची, पेपर कटर, स्केल, इंक की बोतलें, पेपर और अन्य सामान भी मिला है। तीनों आरोपियों के खिलाफ पहले से भी आपराधिक मामले दर्ज बताए गए हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि गिरोह ने अब तक कितनी नकली करेंसी तैयार की और यह नेटवर्क कानपुर के अलावा किन इलाकों तक फैला है। तीनों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

गोंडा कारोबारी हत्याकांड में पुलिस पर गिरी गाज

एसएचओ समेत तीन सस्पेंड, मंत्री ने एसपी को लगाई फटकार

यूनिक समय, गोंडा। उत्तर प्रदेश के गोंडा में कारोबारी विनोद कुमार साहनी की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। कथित लापरवाही के आरोप में परसपुर थाना प्रभारी समेत तीन पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। वहीं, इस मामले को लेकर यूपी सरकार के मंत्री संजय निषाद भी गोंडा के एसपी अभिषेक पर नाराज नजर आए। सर्किट हाउस में मंत्री ने एसपी को फटकार लगाते हुए पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए। इस दौरान उनका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वह एसपी से काफी नाराजगी जताते दिखाई दे रहे हैं। गोंडा पुलिस के मुताबिक, परसपुर थानाध्यक्ष उप निरीक्षक कमला शंकर चतुर्वेदी, शाहपुर चौकी प्रभारी उप निरीक्षक अंकित सिंह और सिपाही अभिमन्यु भारती को सस्पेंड किया गया है। तीनों के खिलाफ विभागीय जांच भी होगी। इसके साथ ही कोंडर थाना प्रभारी कृष्ण गोपाल राय को परसपुर थाने का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। पुलिस ने इस मामले में तीसरे आरोपी आकाश सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, परसपुर इलाके के रेक्सड़िया गांव निवासी 45 वर्षीय विनोद कुमार साहनी शाहपुर बाजार में बर्तन की दुकान चलाते थे। पुलिस के अनुसार, बीते बुधवार शाम सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट को लेकर विवाद हुआ था। दुकान बंद कर बाइक से घर लौट रहे विनोद को रास्ते में चार मोटरसाइकिलों पर सवार करीब 10 लोगों ने रोक लिया और उन पर हमला कर दिया। हमलावरों ने कई हथियारों से वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। आरोपी उन्हें मृत समझकर मौके से फरार हो गए।

विनोद को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उन्हें गोंडा मेडिकल कॉलेज और फिर लखनऊ रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान गुरुवार को उनकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, मौत से पहले विनोद ने तीन हमलावरों की पहचान की थी। उनकी शिकायत के आधार पर शुभम सिंह उर्फ गोलू, सुभाष सिंह और आकाश सिंह समेत 10 नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। विनोद की मौत के बाद एफआईआर में हत्या की धारा भी जोड़ दी गई। वहीं, मंत्री संजय निषाद ने मामले को लेकर पुलिस प्रशासन पर नाराजगी जताई है। उन्होंने एसपी से सवाल किया कि क्या पुलिस की कार्रवाई से सरकार की छवि को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। इससे पहले मंत्री ने विनोद हत्याकांड को लेकर गोंडा में धरना भी दिया था।

ब्रिक्स में भारत का बड़ा दांव, पीयूष गोयल बोले-अब 'बैलेंस्ड ट्रेड' पर जोर

इंजीनियरिंग इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मा उत्पादों के लिए नए बाजार की तलाश

किसानों से एमएसएमई तक पहुंचाने की तैयारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। नई दिल्ली में ब्रिक्स बिजनेस फोरम 2026 की औपचारिक शुरुआत हो गई है। कार्यक्रम में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने वैश्विक व्यापार में ब्रिक्स की बढ़ती भूमिका को रेखांकित करते हुए भारत की प्राथमिकताएं सामने रखीं। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स आज दुनिया के करीब 25 प्रतिशत वैश्विक व्यापार का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में भारत इस मंच को अपने उत्पादों के लिए बड़े और महत्वपूर्ण बाजार के रूप में देख रहा है। पीयूष गोयल ने कहा कि भारत के लिए ब्रिक्स का मतलब 'बैलेंस्ड ट्रेड' यानी संतुलित व्यापार है। भारत का जोर ऐसे व्यापारिक संबंधों पर है, जिनसे सभी सदस्य देशों को समान रूप से लाभ मिल सके। उन्होंने ब्रिक्स देशों से व्यापार और निवेश को आसान बनाने के लिए नियामकीय प्रक्रियाओं को सरल करने तथा सामान की क्लीयरेंस प्रक्रिया को तेज करने की जरूरत बताई। मंत्री ने कहा कि भारत ब्रिक्स मंच के माध्यम से अपने इंजीनियरिंग गुड्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मास्युटिकल उत्पादों के लिए नए बाजार तलाश रहा है। इन क्षेत्रों में भारतीय कंपनियों की क्षमता लगातार बढ़ रही है और वैश्विक स्तर पर भारतीय उत्पादों की मांग भी मजबूत हुई है। ऐसे में ब्रिक्स देशों के बीच बेहतर व्यापारिक व्यवस्था भारतीय उद्योगों के लिए नए अवसर खोल सकती है। पीयूष गोयल ने कहा कि ब्रिक्स सहयोग का फायदा केवल बड़ी कंपनियों और व्यापारिक समूहों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। भारत की कोशिश है कि इस आर्थिक साझेदारी का लाभ किसानों, महिला उद्यमियों, युवाओं और एमएसएमई तक भी पहुंचे। उन्होंने कहा कि देश की जमीनी अर्थव्यवस्था को मजबूत किए बिना व्यापक आर्थिक विकास का लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का जिक्र करते हुए कहा कि भारत यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि ब्रिक्स के जरिए मिलने वाले आर्थिक अवसर समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचें। विशेष रूप से महिला उद्यमियों को कारोबार के क्षेत्र में आगे बढ़ाने और युवाओं के लिए नए अवसर तैयार करने पर जोर दिया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि युवा उद्यमी और एमएसएमई भारत की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण आधार हैं। इनके लिए व्यापार, निवेश और नवाचार के नए अवसर पैदा करना जरूरी है। ब्रिक्स के आर्थिक एजेंडे में महिलाओं और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने से रोजगार और उद्यमिता को भी गति मिल सकती है। भारत का फोकस ब्रिक्स के भीतर ऐसी व्यापारिक व्यवस्था बनाने पर है, जिसमें प्रक्रियाएं आसान हों, कारोबार तेजी से आगे बढ़े और सदस्य देशों के बीच संतुलित व्यापार को बढ़ावा मिले। इसके साथ ही भारतीय उत्पादों की वैश्विक पहुंच बढ़ाने के लिए इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मा जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

कुत्ता टहलाने वाले केस में आईएएस रिंकू दुग्गा को सुप्रीम कोर्ट का झटका

यूनिक समय, नई दिल्ली। नई दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में कुत्ता टहलाने का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। सुप्रीम कोर्ट ने आईएएस अधिकारी रिंकू दुग्गा की बहाली के दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी है। केंद्र सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने मामले में रिंकू दुग्गा को नोटिस जारी किया है। अब मामले की अगली सुनवाई 13 अक्टूबर को होगी।

दरअसल, केंद्र सरकार ने रिंकू दुग्गा को अनिवार्य सेवानिवृत्ति दे दी थी। इसके खिलाफ उन्होंने केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण यानी सीएटी का दरवाजा खटखटाया था। सीएटी ने उन्हें बहाल करने का आदेश दिया। इसके बाद दिल्ली हाईकोर्ट ने भी 15 अप्रैल को सीएटी के फैसले को बरकरार रखा था। अब केंद्र ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

मामला साल 2022 का है, जब रिंकू दुग्गा और उनके पति संजीव खिरवार, जो खुद भी आईएएस अधिकारी हैं, उस समय चर्चा में आए थे। आरोप था कि उन्होंने अपने कुत्ते को टहलाने के लिए त्यागराज स्टेडियम को खाली करवाया था। घटना की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विवाद काफी बढ़ गया था।

हाईकोर्ट ने अनिवार्य सेवानिवृत्ति के फैसले को उचित नहीं माना था। अदालत ने कहा था कि स्टेडियम की घटना के संबंध में अधिकारी को पहले ही मामूली सजा मिल चुकी थी। साथ ही उनके सेवा रिकॉर्ड में एपीएआर में कोई नकारात्मक टिप्पणी नहीं थी और पिछले वर्ष उनकी ग्रेडिंग भी अच्छी रही थी। अदालत ने माना था कि समीक्षा समिति ने सेवा रिकॉर्ड के कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर पर्याप्त विचार नहीं किया।

सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाते हुए मामले को आगे सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है।

यूनुस की एनजीओ पर बड़ा एक्शन, सरकार वसूलेगी 5 अरब

यूनिक समय, नई दिल्ली। बांग्लादेश में पूर्व अंतरिम सरकार प्रमुख मोहम्मद यूनुस को बड़ा झटका लगा है। उनकी अध्यक्षता वाली एनजीओ ग्रामीण वेलफेयर से सरकार करीब 666 करोड़ टका यानी लगभग 5 अरब रुपये की वसूली करेगी। बांग्लादेश हाई कोर्ट ने आयकर चोरी से जुड़े मामले में यह फैसला सुनाया है। अदालत के मुताबिक ग्रामीण वेलफेयर पर लगाए गए आरोप सही पाए गए हैं और सरकार को संगठन से बकाया रकम वसूलने का अधिकार है। हालांकि, एनजीओ ने हाई कोर्ट के फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देने की बात कही है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, हाई कोर्ट के जज मोहम्मद मुजीबुर रहमान मियां ने अपने फैसले में कहा कि यूनुस की एनजीओ वर्ष 2017 से राजस्व जमा नहीं करा रही थी, जो नियमों के खिलाफ है। अदालत ने बकाया राशि की वसूली के लिए 30 दिन का समय दिया है। बताया गया है कि यह मामला करीब दो दशक पुराने वित्तीय लेनदेन से जुड़ा है। वर्ष 2004 में मोहम्मद यूनुस ने अपने एक अन्य संगठन ग्रामीण टेलिकॉम की रकम ग्रामीण वेलफेयर में ट्रांसफर कराई थी। इसका उद्देश्य संगठन में बाहरी निवेश लाना बताया गया था। इसके बाद बांग्लादेश की आयकर एजेंसी ने मामले पर कार्रवाई शुरू की। एजेंसी का आरोप था कि रकम ट्रांसफर किए जाने के बाद ग्रामीण वेलफेयर ने सरकार को निर्धारित टैक्स का भुगतान नहीं किया। शुरुआत में संगठन पर करीब 550 करोड़ टका का टैक्स लगाया गया था, जो अब बढ़कर 666 करोड़ टका हो गया है। ग्रामीण वेलफेयर की स्थापना वर्ष 1996 में मोहम्मद यूनुस ने की थी। यह एनजीओ मुख्य रूप से स्वास्थ्य क्षेत्र में काम करता है और बांग्लादेश में इसके करीब 150 स्वास्थ्य केंद्र बताए जाते हैं। शेख हसीना के शासनकाल में इस संगठन को सरकार की ओर से मदद भी मिली थी। वर्ष 2024 में शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का प्रमुख बनाया गया था। उनके नेतृत्व में बांग्लादेश में आम चुनाव हुए, जिसके बाद तारिक रहमान की पार्टी सत्ता में आई और वह प्रधानमंत्री बने। इसके बाद यूनुस राजनीतिक रूप से हाशिये पर चले गए। नई सरकार ने उनके कई फैसलों को बदल दिया और अब उनकी एनजीओ पर हुई यह कार्रवाई उनके लिए एक और बड़ा झटका मानी जा रही है।

स्पेशल 26' फिल्म जैसी स्टाइल में की फर्जी रेड

1 करोड़ की रंगदारी मांगने वाला गिरोह बेनकाब

11 कर्मचारियों को बनाया बंधक, 10 गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई में फिल्म 'स्पेशल 26' की तर्ज पर फर्जी आयकर और क्राइम ब्रांच अधिकारी बनकर कारोबारी से एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने वाले गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। अंधेरी पुलिस ने इस मामले में 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में आयकर विभाग का एक निरीक्षक और एक कर सहायक भी शामिल हैं। पुलिस को आयकर विभाग के एक अन्य अधिकारी की भूमिका पर भी शक है। पुलिस के मुताबिक, इस पूरी साजिश का मास्टरमाइंड कारोबारी के यहां पहले ड्राइवर रह चुका संतोष उदय खोपटकर बताया जा रहा है। कारोबारी से विवाद के बाद उसे नौकरी से निकाल दिया गया था। आरोप है कि इसी रंजिश में उसने अपने साथियों के साथ मिलकर फर्जी रेड की योजना बनाई।

आरोपी पहले कारोबारी के घर पहुंचे और खुद को आयकर अधिकारी बताते हुए रेड की बात कही। इसके बाद कारोबारी और उसकी पत्नी को जबरन गाड़ी में बैठाकर उनके बिजनेस परिसर ले जाया गया। वहां मौजूद 11 कर्मचारियों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए और लैंडलाइन के तार काट दिए गए। कर्मचारियों को एक कमरे में बंद कर कारोबारी से एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई।

हालांकि, इस दौरान कारोबारी को आरोपियों पर शक हो गया। तीन महिला आरोपियों के बोलचाल और हाव-भाव उसे सरकारी अधिकारियों जैसे नहीं लगे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और जांच शुरू हुई। जांच में सामने आया कि गिरोह ने कुछ लोगों को फर्जी रेड में भूमिका निभाने के लिए 50 हजार रुपये देने का लालच दिया था। पुलिस के अनुसार, इसी गिरोह ने ठाणे के मानपाड़ा में भी फर्जी रेड कर करीब 25 लाख रुपये वसूले थे।

गिरफ्तार आरोपियों में संतोष खोपटकर समेत आठ अन्य लोग और आयकर विभाग के सुरेश मिश्रा व सुनील गोरे शामिल हैं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर पूरे नेटवर्क की जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली में बारिश का रेड अलर्ट, 24 राज्यों में आफत की आहट

कल जमकर बरसेंगे बादल

आंधी-तूफान के साथ 85 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है हवा की रफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। शुक्रवार को दिल्ली में दोपहर के समय हुई झमाझम बारिश से लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली, लेकिन मौसम विभाग ने आने वाले दिनों को लेकर चिंता बढ़ाने वाला अलर्ट जारी किया है। दिल्ली में तेज बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 12 सितंबर को दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार समेत देश के 24 राज्यों में भारी बारिश और आंधी-तूफान की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर-पश्चिम और पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी तथा उससे सटे दक्षिण ओडिशा और उत्तर आंध्र प्रदेश के तटों पर बने कम दबाव के क्षेत्र का असर कई राज्यों में देखने को मिलेगा। इसके चलते कई इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। कुछ क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ वज्रपात और ओलावृष्टि की भी संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने 11 सितंबर को छत्तीसगढ़ और ओडिशा में भारी बारिश की संभावना जताई है। इसके बाद 13 और 14 सितंबर को पश्चिमी मध्य प्रदेश, 13 सितंबर को मध्य महाराष्ट्र तथा 13 और 14 सितंबर को गुजरात क्षेत्र में बारिश का असर देखने को मिल सकता है। 14 सितंबर को सौराष्ट्र और कच्छ में भी कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की आशंका है। पहाड़ी राज्यों में लगातार बारिश के चलते भूस्खलन का खतरा भी बढ़ गया है। वहीं पूर्वी भारत के कई राज्यों में बिजली गिरने और कुछ इलाकों में ओले पड़ने की चेतावनी जारी की गई है। बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती परिसंचरण के कारण मानसूनी गतिविधियां तेज हुई हैं।

12 सितंबर को दिल्ली, यूपी, बिहार, हरियाणा, राजस्थान, उत्तराखंड, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, केरल, असम, त्रिपुरा, मेघालय, नागालैंड और सिक्किम में बारिश और आंधी का अलर्ट है। दिल्ली में भारी बारिश के साथ 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। कुछ क्षेत्रों में तेज हवा की रफ्तार 85 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना भी जताई गई है।

न्याय पाने के लिए शिव मंदिर में बहुओं ने शुरू किया अनशन

सुनवाई नहीं हुई तो शिव मंदिर में आमरण अनशन पर बैठीं बहुएं

पुजारी पर गाली-गलौज धमकी का आरोप, वीडियो हुआ वायरल

यूनिक समय, कोसीकलां। न्याय की आस में अधिकारियों के चक्कर काट रहीं गांव गिडोह की दो बहुओं ने आखिरकार शुक्रवार को शिव मंदिर में आमरण अनशन शुरू कर दिया। महिलाओं ने पहले ही प्रशासन को चेतावनी दी थी कि यदि उनकी शिकायत पर सुनवाई नहीं हुई तो 11 सितंबर को मंदिर परिसर में धरना देंगी। तय समय पर जब कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो दोनों महिलाएं शिव मंदिर पहुंचीं और अनशन पर बैठ गईं। अनशन स्थल का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

न्याय की खातिर गांव गिडोह के शिव मंदिर पर बैठी बहुएं।

वायरल वीडियो में अनशन पर बैठी ज्योत्सना भावुक होकर अपनी आपबीती सुनाती दिखाई दे रही हैं। महिला का आरोप है कि वह लंबे समय से न्याय की मांग कर रही है, लेकिन उसकी शिकायत पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही।

महिला ने गांव के शिव मंदिर के पुजारी पर सार्वजनिक रूप से अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने और लाठी से पीटने की धमकी देने का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि जिस समय विवाद हुआ, उस दौरान पुलिस भी मौके पर मौजूद थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

उसने मामले को दबाने का प्रयास किए जाने का भी आरोप लगाया। महिलाओं का कहना है कि न्याय के लिए वह लगातार अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर काटती रहीं, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। आखिरकार मजबूर होकर उन्हें अनशन का रास्ता अपनाना पड़ा।

वायरल वीडियो में महिला बेहद भावुक होकर कहती नजर आ रही है कि वह न्याय मिलने तक अनशन स्थल से नहीं उठेगी।

उसका कहना है कि चाहे कितनी भी मुश्किल आए, वह अपनी मांग से पीछे नहीं हटेगी। दोनों महिलाओं के इस कदम से गांव में मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। महिलाओं के अनशन के बाद पुलिस-प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो गए हैं।

मीडिया को रोकने का भी लगाया आरोप- महिलाओं ने आरोप लगाया कि मामले की कवरेज के लिए गांव पहुंचे मीडियाकर्मियों को कुछ लोगों ने गांव में प्रवेश करने से रोकने का प्रयास किया। महिलाओं ने सवाल उठाया कि सार्वजनिक स्थल और शिव मंदिर में मीडिया को कवरेज करने से रोकने का अधिकार आखिर किसे है।

सड़क पर गिरी ईंटों से वाहन चालक परेशान

हाइवे पर ट्रैक्टर से गिरी ईंटें।

हाईवे पर ओवरलोड ट्रैक्टरों से हादसे का बढ़ा खतरा

यूनिक समय, मथुरा। छटीकरा से गोवर्धन चौराहे की ओर जाने वाले हाईवे पर ओवरलोड ईंटों से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉलियां वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बन गए हैं। ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में क्षमता से अधिक ईंटें भरकर ले जाने के कारण रास्ते में ईंटें सड़क पर गिर जाती हैं। इससे हाईवे पर हादसे का खतरा बना रहता है।

शुक्रवार को छटीकरा से गोवर्धन चौराहे की ओर जा रहे एक ओवरलोड ट्रैक्टर से अचानक ईंटें सड़क पर गिरने लगीं। ट्राली से निकलकर सड़क पर ईंटें बिखरने के कारण पीछे से आ रहे बड़े वाहनों के चालकों को बचकर निकलना पड़ा। वाहन चालक ईंटों से बचने के लिए अपने वाहनों को इधर-उधर चलाते नजर आए। इससे बाइक सवारों को भी काफी परेशानी हुई। अचानक सड़क पर ईंटें आने से दोपहिया वाहन चालकों के सामने दुर्घटना का खतरा पैदा हो गया।

हाईवे से गुजरने वाले बाइक सवारों और अन्य वाहन चालकों का कहना है कि ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से सड़क पर ईंटें गिरने की स्थिति में यातायात प्रभावित होता है। बड़े वाहनों के अचानक दिशा बदलने से बाइक सवारों के लिए स्थिति और अधिक जोखिम भरी हो जाती है। वाहन चालकों ने संबंधित विभाग से ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर कार्रवाई करने और ईंटों को सुरक्षित तरीके से ढककर ले जाने की व्यवस्था सुनिश्चित कराने की मांग की है, ताकि हाईवे पर अचानक होने वाले हादसों को रोका जा सके।

मां भगवती के जयघोष से गूंजा रामनगर

जयकारा लगाते समिति के पदाधिकारी।

दुग्धाभिषेक के साथ नवरात्रि जागरण महोत्सव का शुभारंभ

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के तांगडा मौहल्ला स्थित प्राचीन मां भगवती मंदिर पर शुक्रवार को श्री रामनगर सेवा समिति द्वारा शारदीय नवरात्रि जागरण महोत्सव के शुभारंभ पर मां भगवती का भव्य दुग्धाभिषेक किया गया।

पं. राधा कृष्ण द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विधि-विधान से पूजन कराया गया। समिति के सदस्यों ने मां के चरणों में दुग्ध अर्पित किया। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर जय माता दी के जयकारों से गूंज उठा। समिति के अध्यक्ष विशाल जायसवाल ने बताया कि इस वर्ष भी शारदीय नवरात्रि पर विशाल जागरण महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। उसी के निर्विघ्न और भव्य आयोजन के लिए मां भगवती से प्रार्थना कर दुग्धाभिषेक किया गया है। उन्होंने बताया कि जल्द ही समिति की बैठक कर जागरण की तिथि और रूपरेखा तय की जाएगी।

इस अवसर पर समिति के नीतेश भारद्वाज, गिर्राज चौधरी, सौरभ जैन, देवेश शर्मा, निखिल दीक्षित, कपिल, ध्रुव सोनी, दीपक गर्ग, मौना चाचा, कल्पेश जैन सहित दर्जनों युवा कार्यकर्ता और मोहल्ले के श्रद्धालु मौजूद रहे।

गौसेवा के संदेश को जन जन तक पहुंचाने पर जोर

केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी से मिले डॉ. अमर सिंह पौनिया

यूनिक समय, कोसीकलां। भाजपा ओबीसी मोर्चा के ब्रज क्षेत्र उपाध्यक्ष डॉ. अमर सिंह पौनिया के गौसेवा अभियान की चर्चा अब प्रदेश स्तर तक पहुंच गई है।

केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री- भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज चौधरी ने डॉ. पौनिया के कार्यों की प्रशंसा की है। हाल ही में डॉ. अमर सिंह पौनिया ने केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी से भेंट कर उन्हें अपनी पुस्तक गौमाता की महिमा भेंट की थी। पुस्तक को देखकर केंद्रीय मंत्री काफी प्रभावित हुए।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि डॉ. अमर सिंह पौनिया जैसे कार्यकर्ता ही भाजपा की असली ताकत हैं। वे केवल पद पर नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर समाज के बीच रहकर काम करने वाले व्यक्ति हैं।

केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री को पुस्तक भेंट करते डा. अमर सिंह पौनिया।

संगठन के लिए उनका समर्पण और समाज के प्रति उनकी सेवा भावना हम सभी के लिए प्रेरणा है।

केंद्रीय मंत्री द्वारा की गई इस प्रशंसा के बाद क्षेत्र के कार्यकर्ताओं और सामाजिक संगठनों में हर्ष का माहौल है।

अग्रसेन जयंती की तैयारियों को लेकर अग्रवाल सभा की बैठक

महोत्सव को ऐतिहासिक बनाने का लिया संकल्प

यूनिक समय, कोसीकलां। श्री कोसीकलां अग्रवाल सभा ने इस वर्ष की अग्रसेन जयंती महोत्सव को अधिक भव्य और यादगार बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसको लेकर गुरुवार की देर सायं को अग्रसेन वाटिका में समाज के पदाधिकारियों की एक अहम बैठक हुई। बैठक में अग्रवाल समाज के अध्यक्ष संजीव जाबिया और मंत्री जगदीश अग्रवाल ने सभी सदस्यों से महोत्सव को सफल बनाने के लिए सुझाव मांगे। सदस्यों ने कहा कि जयंती महोत्सव ऐसा हो जिसमें युवा, बुजुर्ग और महिलाओं सहित पूरे समाज की भागीदारी हो। कार्यक्रम की रूपरेखा को अंतिम रूप देने के लिए जल्द ही अलग-अलग समितियां बनाने पर सहमति बनी। बैठक का दूसरा मुख्य एजेंडा नगर का अग्रसेन चौक रहा। पदाधिकारियों ने कहा कि अग्रसेन चौक सिर्फ एक चौराहा नहीं, बल्कि अग्रवाल समाज की आन-बान-शान है। इसलिए इसके सौंदर्यीकरण और विकास के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। इसको लेकर नगर पालिका से भी वार्ता करने का निर्णय लिया गया। अध्यक्ष ने कहा कि महाराजा अग्रसेन के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाना ही जयंती का असली उद्देश्य है। बैठक में अग्रवाल सभा के पूर्व अध्यक्ष वेदप्रकाश गोयल, अजय गोयंका, ललित कुमार एडवोकेट, मनीष कादौनिया सहित दर्जनों अग्रवाल सभा के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

ताराचंद एडवोकेट की अनूठी पहल

घर-घर जाकर बांटे निशुल्क तुलसी के पौध

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर में गुरुवार को पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक प्रेरणादायक पहल देखने को मिली। नगर के समाजसेवी- वरिष्ठ अधिवक्ता ताराचंद एडवोकेट ने निःशुल्क तुलसी पौधा वितरण महाअभियान चलाया। अभियान के तहत उन्होंने पूरे दिन नगर के मुख्य बाजार, गली-मोहल्लों में पैदल घूम-घूम कर दुकानदारों और आम लोगों को निःशुल्क तुलसी के पौधे वितरित किए।

इस दौरान उन्होंने बाजार में दुकान-दुकान जाकर लोगों को तुलसी का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि तुलसी धार्मिक रूप से पूजनीय होने के साथ-साथ औषधीय गुणों से भरपूर है और 24 घंटे ऑक्सीजन देती है। बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए हर घर में एक तुलसी का पौधा लगाना जरूरी है। वहीं आयुर्वेद में इसे संजीवनी कहा गया है। इसके नियमित सेवन से सर्दी-जुकाम, बुखार सहित कई बीमारियां दूर रहती है। उनके इस अभियान का व्यापारियों ने भी स्वागत किया। बाजार के दुकानदारों ने पौधा लेकर उसकी देखभाल करने का संकल्प लिया।

बाजार में दुकानदार को तुलसी का पौधा भेंट करते समाजसेवी ताराचंद एडवोकेट।

फाइनेंस कराई मोटरसाइकिल दुकान के अंदर से चोरी

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र में धुलाई सेंटर शाहकुंज हाईवे से एक मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित कलुआ गौतम निवासी गोपालपुरा, रांची बांगर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह फौजी धुलाई सेंटर शाहकुंज हाईवे पर धुलाई का काम करता है। 26 अगस्त की सुबह करीब 10:25 बजे वह दुकान के अंदर था। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति उसकी मोटरसाइकिल ले जाता हुआ दिखाई दिया। उसका पीछा किया, लेकिन कुछ देर बाद वह नजरों से ओझल हो गया। थाना हाईवे पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पानी और शौचालय की व्यवस्था नहीं, नगर पालिका सुस्त

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर में एक महीने बाद शुरू होने वाले ऐतिहासिक रामलीला महोत्सव को लेकर नगर पालिका की कार्यशैली सवालों के घेरे में है। रामलीला संस्थान भले ही तैयारियों में जुटा हो, लेकिन नगर पालिका ने अभी तक श्रद्धालुओं की मूलभूत सुविधाओं को लेकर कोई कदम नहीं उठाया है। हर साल राम बारात, काली मेला, दशहरा और भरत मिलाप देखने के लिए हजारों श्रद्धालु कोसीकलां पहुंचते हैं। लेकिन बाजारों और रामलीला स्थल पर रामलीला देखने आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पानी और शौचालय की कोई व्यवस्था नहीं है। नगर पालिका की उदासीनता की हद देखिए कि पूरे नगर में मुख्य बाजारों में और रामलीला स्थल पर कहीं भी पीने के पानी के लिए प्याऊ या वाटर कूलर की व्यवस्था नहीं है। मेले के दौरान श्रद्धालुओं को पानी के लिए भटकना पड़ता है और दुकानों से बोतल खरीदकर प्यास बुझानी पड़ती है। दूसरी ओर, नगर में बने सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति भी बदहाल है। शौचालयों में गंदगी का अंबार लगा है, अंदर लगे सभी उपकरण टूटे हुए पड़े हैं। सालों से सफाई न होने से वहां बदबू आ रही है। ऐसे में शौचालय इस्तेमाल करने लायक नहीं बचे हैं।

गंदगी से भरा शौचालय।